राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार 19 अप्रैल 2024 वर्ष-7,अंक-85 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

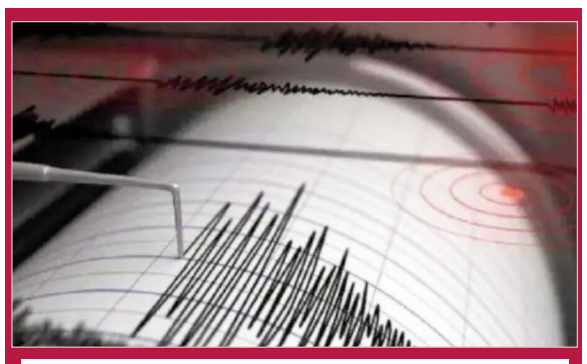

फिर एक बार भूकंप से थर्राई कच्छ की धरती, कोई जानहानि नहीं

अहमदाबाद । गुजरात में समय-समय पर भूकंप के झटके महसूस किये जाते रहते हैं. आज फिर एक बार भूकंप के झटके से कच्छ की धरती थर्रा उठी. दोपहर 1 बजकर 36 मिनट पर कच्छ के खावड़ा में 3.7 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया. शुरुआती जानकारी के मुताबिक दोपहर में आए झटके से स्थानीय लोगों में डर का माहौल है. हालांकि, राहत की बात यह है कि अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। कच्छ की धरा एक बार फिर भूकंप के झटके से हिल गई है. इस झटके की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.7 दर्ज की गई. जानकारी के मुताबिक इस भूकंप का केन्द्र कच्छ के खावड़ा से 30 किमी दूर दर्ज किया गया.

जय श्रीराम का नारा लगाने पर मारपीट, दो गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु में जय श्री राम का नारा लगाने वालों पर हमला करने के आरोप में कर्नाटक पुलिस ने दो लोगों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया है। घटना विद्यारण्यपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई। उत्तर-पूर्व के डीसीपी लक्ष्मी प्रसाद ने बताया कि कार में झंडे लिए युवकों ने जय श्री राम के नारे लगाए थे। इससे वहां खड़े युवकों ने गाड़ी रोकी और हंगामा किया। युवकों ने कार सवार युवकों के साथ भी मारपीट भी की। पुलिस ने युवकों पर हमला करने वालों की तलाश शुरू कर दी है। सूत्रों ने बताया कि पीड़ित रामनवमी समारोह से लौट रहे थे और रास्ते में जय श्री राम के नारे लगा रहे थे तभी उन पर हमला किया गया। डीसीपी ने कहा कि दो लोगों गिरफ्तार किया गया है। मामले में आईपीसी की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।

बीएसएफ ने ड्रोन मार गिराया....नशीले पदार्थों की खेप जब्त

जोधपुर । सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अनूपगढ़ में एक ड्रोन को मार गिराया और नशीले पदार्थों की खेप जब्त की। इससे एक सप्ताह पहले भी सीमा पर मादक पदार्थ लेकर आए एक ड्रोन को मार गिराया गया था।बीएसएफ और पुलिस ने 2.6 किलोग्राम हेरोइन से भरे तीन पैकेट जब्त किए, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 13 करोड़ रुपये है। पुलिस ने बताया कि नेमीचंद चौकी के पास तीन पैकेटों से 2.6 किलोग्राम हेरोइन जब्त की। यह स्थान भारतीय सीमा के 1,600 मीटर अंदर पड़ता है, जहां बीएसएफ जवानों ने एक ड्रोन को मार गिराया।''बीएसएफ की 140वीं बटालियन के कंपनी कमांडर अखिलेश कुमार ने बताया कि रात करीब 10 बजे अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास गश्त कर रहे बीएसएफ के जवानों ने ड्रोन की आवाज सुनी। जवानों ने ड्रोन की दिशा में गोली चलाई जिससे वह गिर गया। ड्रोन के गिरने के बाद पुलिस और बीएसएफ अधिकारी और जवानों ने मौके पर पहुंचकर संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान रात करीब डेढ़ बजे अंतरराष्ट्रीय सीमा पर नेमीकंद चौकी से भारत की ओर करीब 1600 मीटर अंदर गांव 23 केडी के पास एक क्षतिग्रस्त ड्रोन और एक पैकेट मिला।'' उन्होंने कहा कि जब पैकेट खोला गया, तब अंदर तीन पैकेट और मिले जिनमें कुल 2.6 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई।

इसरो प्रमुख ने गगनयान मिशन को लेकर बता दी तारीख

नई दिल्ली । इसरो यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अगले सप्ताह अपने गगनयान मिशन के तहत एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करने वाला है। इसरो ने घोषणा की कि 2024 भारत के प्रतिष्ठित पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान का वर्ष होगा। वह अगले सप्ताह द्वितीय मानव रहित मिशन, एक परीक्षण वाहन उड़ान मिशन और एक एयरड्रॉप का परीक्षण करेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसरो चेयरमैन ने एस्ट्रोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एएसआई) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा, एयरड्रॉप परीक्षण 24 अप्रैल को होगा। इस परीक्षण के बाद दो और मानव रहित मिशन होने हैं, जो अगले वर्ष होने है। उन्होंने कहा, अगर सब कुछ ठीक रहा, तब अगले साल के अंत तक मानवयुक्त मिशन को अंजाम दिया जाएगा। चंद्रयान-3 की सफलता से उत्साहित (जब भारत चंद्रमा के अब तक अज्ञात दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर उतरने वाला पहला देश बन गया और पहला सूर्य मिशन आदित्य-एल1 जो लैग्रेंज प्वाइंट (एल1) की हेलो कक्षा में पहुंचा। सबसे गर्म ग्रह के बाहरी वातावरण का व्यापक अध्ययन करने के लिए) इसरो गगनयान मिशन की द्वितीय परीक्षण उड़ान के लिए पूरी तरह तैयार है। इसरो ने कहा कि उसके सौर वेधशाला अंतरिक्ष यान, आदित्य-एल1 का हेलो-ऑर्बिट इंसर्शन (एचओआई) 06 जनवरी, 2024 को पूरा किया गया था। आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान की कक्षा एक आवधिक हेलो कक्षा है, जो पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर (लगभग 177.86 पृथ्वी दिवस की परिक्रमा अवधि के साथ निरंतर गतिशील सूर्य-पृथ्वी रेखा) दूर स्थित है।

वीवीपीएट मामला

चुनाव प्रक्रिया में पवित्रता होनी चाहिए इसका ध्यान रखे आयोग : सुप्रीम कोर्ट

-सभी तरह की शिकायतों का संज्ञान लें

नई दिल्ली ।

वीवीपीएट मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से दो टूक कहा कि चुनाव प्रक्रिया में पवित्रता होनी चाहिए और किसी को नहीं लगना चाहिए कि जो किया जाना चाहिए था, वह नहीं किया गया। इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अपनाए गए कदमों के बारे में विस्तार से बताने को कह दिया।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा, कोर्ट का मानना है कि यह एक चुनावी प्रक्रिया है। इसमें पवित्रता होनी चाहिए। किसी को यह आशंका नहीं होनी चाहिए कि इसके लिए जो जरूरी कदम उठाए जाने थे, वे नहीं उठाए गए। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग के वकील मनिंदर सिंह से पूछा कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ न हो सके, ये सुनिश्चित करने के लिए आपकी ओर से क्या प्रकिया अपनाई जा रही है? याचिकाकर्ताओं की ओर से पार्लियामेंटरी स्टैंडिंग कमेटी की रिपोर्ट का हवाला दिया गया है, उस पर आप अपना रुख साफ करे।

इसके बाद चुनाव आयोग के अधिकारी ने सुप्रीम कोर्ट में ईवीएम से संबंधित जानकारी देकर कहा, ईवीएम प्रणाली में तीन यूनिट होते हैं, बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और तीसरा वीवीपीएटी यूनिट होता हैं। बैलेट यूनिट सिंबल को दबाने के लिए है, कंट्रोल यूनिट डेटा संग्रहीत करता है और वीवीपीएटी यूनिट सत्यापन के लिए होता है।

मॉक वोटिंग में भाजपा को मिले अतिरिक्त वोट

सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान वकील प्रशांत भूषण ने केरल के कासरगोड में मॉक वोटिंग के दौरान ईवीएम में गड़बड़ी का ज़िक्र किया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि मॉक वोटिंग के दौरान 4 ईवीएम और वीवीपीएटी एक अतिरिक्त वोट भाजपा के पक्ष में रिकॉर्ड कर रहे थे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग की ओर से पेश वकील सिंह से कहा कि इन आरोपों की जांच करे।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि प्रोग्राम मेमोरी में कोई छेडछाड हो सकती है? चुनाव आयोग ने कहा कि इसे बदला नहीं जा सकता। यह एक फर्मवेयर है। सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर के बीच का है। इसे बिल्कुल भी नहीं बदला जा

सकता.. पहले रैंडम तरीके से ईवीएम का चुनाव करने के बाद मशीनें विधानसभा के स्ट्रांग रूम में जाती हैं और राजनीतिक दलों की मौजूदगी में लॉक किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि जब आप ईवीएम को भेजते हैं, तब क्या उम्मीदवारों को टेस्ट चेक करने की अनुमति होती है? इस पर चुनाव आयोग के वकील सिंह ने बताया कि मशीनों को स्ट्रांग रूम में रखने से पहले मॉक पोल आयोजित किया जाता है। उम्मीदवारों को रैंडम मशीनें लेने और जांच करने के लिए पोल करने की अनुमति होती है।

मोदी का राहुल गांधी पर तंज.....

ये शाही जादूगर इतने सालों तक कहां छुपा

गरीबी को हटाने का कौनसा मंत्र मिल गया

नई दिल्ली । देश में लोकसभा चुनाव के लिए अलग-अलग मुद्दे सामने आ रहे हैं। इस बीच विपक्ष की ओर से महंगाई और बेरोजगारी को बड़ा मुद्दा बनाया जा रहा है। इतना ही नहीं भाजपा के घोषणा पर भी राजनीति जबरदस्त तरीके से जारी है। कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों का दावा है कि महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी जैसे शब्द भाजपा के घोषणा पत्र से गायब है। खुद कांग्रेस नेता राहुल गांधी बार-बार कह रहे हैं कि देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है और उसके बाद महंगाई का नंबर आता है। हालांकि भाजपा यह दावा कर रही है कि मोदी राज में महंगाई कम हुई है। युवाओं को भी रोजगार अच्छी खासी संख्या में मिली है। लोगों का जीवन स्तर सुधरा है। इस बीच राहुल गांधी ने एक सभा में ऐलान कर दिया कि हम अगर सत्ता में आते हैं, तब एक झटके में ही हिंदुस्तान से गरीबी को खत्म कर देंगे। इसके बाद से राहुल गांधी के बयान राजनीति शुरू हो गई है।

राहुल ने लोगों से कहा कि हम आपका जीवन बदलना चाहते हैं, हम आपकी मदद करना चाहते हैं। अगर मोदी करोड़पतियों को पैसा दे सकते हैं, तब कांग्रेस वह पैसा गरीबों को दे सकती है। और इसलिए हम एक नई नीति, महालक्ष्मी ला रहे हैं, जिसे चुनाव जीतने के तुरंत बाद लागू किया जाएगा। राहुल के बयान पर पीएम मोदी ने पलटवार किया। मोदी ने कहा कि दुर्भाग्य से आजकल हम देखते हैं कि एक शब्द के प्रति कोई प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी नहीं है। आपने किसी नेता के पुराने वीडियो घूमते हुए देखे होंगे, जहां उनके हर विचार विरोधाभासी होते हैं। जब लोग यह देखते हैं, तब उन्हें लगता है कि यह नेता जनता की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश कर रहा है। हाल ही में, मैंने एक राजनेता को यह कहते हुए सुना, एक झटके में गरीबी हटा दूंगा। जिन्हें 5-6 दशक तक सत्ता में रहने का मौका मिला, वे जब ऐसा कहते हैं, तब देश को लगता है कि ये क्या कह रहा है? उन्होंने कहा कि हताश कांग्रेस ऐसी घोषणाएं कर रही है जो खुद कांग्रेस नेताओं को समझ नहीं आ रही है। कांग्रेस के युवराज ने अभी कुछ ऐसा ऐलान किया है जिसे सुनकर आपकी हंसी छूट जाएगी। उन्होंने ऐलान किया कि वह देश से गरीबी को एक झटके में खत्म कर देंगे। आखिर ये शाही जादूगर इतने सालों तक कहां छुपा हुआ था? 50 साल हो गए जब उनकी दादी ने देश से गरीबी हटाने की घोषणा की थी। 2014 से पहले 10 साल तक उन्होंने रिमोट से सरकार चलाई और कह रहे हैं कि उन्हें झटके वाला मंत्र मिल गया है, उन्हें यह झटके वाला मंत्र कहां से मिला? मुझे बताओ, क्या यह गरीबों का मजाक नहीं है? क्या यह गरीबों का अपमान नहीं है?

केजरीवाल को वर्क फॉम जेल की मिले अनुमति, हाईकोर्ट में याचिका दायर

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर हुई है। याचिका में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल से ही सरकार चलाने की अनुमति देने की मांग की गई है। हाईकोर्ट में याचिका वकील श्रीकांत प्रसाद ने दाखिल की है। उन्होंने अदालत से जेल के डीजी को मुख्यमंत्री के लिए जरूरी व्यवस्था करने का निर्देश देने की मांग भी की है। हालांकि, अभी तक कोर्ट ने तय नहीं किया है कि याचिका पर सुनवाई करनी है या नहीं। प्रसाद ने अपनी याचिका में तर्क दिया है कि दिल्ली में अभी जो स्थिति है,वे संविधान के अनुच्छेद 21, 14 और 19 के तहत नागरिकों को मिले मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पिछले सात साल में हेल्थ और एजुकेशन का ट्रैक रिकॉर्ड बेहतरीन रहा है। याचिका में दलील दी गई है कि न भारत का संविधान और न ही कोई कानून किसी मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री को सरकार चलाने से रोक सकता है। प्रसाद का कहना है कि वे उन गरीबों और वंचितों की ओर से अदालत का दरवाजा खटखटा रहे हैं, जो दिल्ली सरकार की योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं, लेकिन अपने अधिकारों के बारे में नहीं जानते। उन्होंने अपनी याचिका में दावा किया है कि केजरीवाल राजनीतिक दुर्भावना की वजह से जेल में हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे मामलों में केजरीवाल सरकार ने देश में सबसे अच्छा काम किया है, इसलिए जेल से सरकार चलाने की अनुमति दी जाए। उन्होंने अपनी याचिका पर जल्द से जल्द सुनवाई की मांग भी की है।

आज बिहार में पहले चरण की 4 लोकसभा सीटों पर होगा मतदान

- मुख्य मुकाबला एनडीए और महागठबंधन के बीच

पटना।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान आज यानी 19 अप्रैल को होने वाला है। बिहार में लोकसभा चुनाव के पहले चरण में औरंगाबाद, नवादा, गया और जमुई में मतदान होना है। अब सभी राजनीति दलों और प्रत्याशियों की नजर मतदान केंद्रों और मतदाताओं पर टिकी है। पहले चरण की चार सीटों पर कुल 38 उम्मीदवारों की साख दांव पर लगी है।

इस चुनाव में बीजेपी नेतृत्व वाले एनडीए के पांच दल भाजपा, जदयू, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा, लोजपा (रामविलास) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के साथ चुनावी मैदान में उतरी है।

वहीं, महागठबंधन राजद, कांग्रेस, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) और वामपंथी दलों के साथ चुनावी रण में है।

पहले चरण की जिन चार सीटों पर चुनाव होना है, उनमें मुख्य मुकाबला दोनों गठबंधनों के बीच है। नवादा में निर्दलीय प्रत्याशी संघर्ष को त्रिकोणात्मक बनाने में जुटे हैं।

इन सभी चार सीटों पर महागठबंधन की ओर से राजद के प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं तो एनडीए की ओर से औरंगाबाद और नवादा में भाजपा के प्रत्याशी ताल ठोंक रहे हैं तो गया में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा और जमुई से लोजपा (रामविलास) अपनी किस्मत आजमा रही है। गया क्षेत्र से हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी का मुकाबला बिहार के मंत्री रहे कुमार सर्वजीत से है तो जमुई में भी एनडीए की ओर से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अरुण भारती और महागठबंधन की राजद प्रत्याशी अर्चना रविदास आमने-सामने हैं। अरुण भारती लोजपा प्रमुख चिराग पासवान के बहनोई हैं। औरंगाबाद क्षेत्र में भाजपा के टिकट पर सुशील कुमार सिंह एक बार फिर से चुनावी रण में ताल ठोक रहे हैं।

इनका मुकाबला राजद के अभय कुशवाहा से है। नवादा क्षेत्र में भाजपा के विवेक ठाकुर और राजद के श्रवण कुमार आमने-सामने हैं। हालांकि, निर्दलीय विनोद यादव और गुंजन कुमार ने चुनाव मैदान में उतरकर मुकाबले को रोचक बना दिया है। बिहार में लोकसभा की कुल 40 सीटें हैं और यहां सभी सात चरणों में चुनाव होने हैं। अब देखना है कि ऊंट किस करवट बैठता है।

- मुर्शिदाबाद में धारा 144 लागू

पश्चिम बंगाल में रामनवमी पर हई झड़प के कारण बड़ी सभाओं पर लगा प्रतिबंध

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में रामनवमी जुलूस निकालने के दौरान झड़पें हुईं, जिसमें कई लोग घायल हो गए। घटना शक्तिपुर इलाके में उस समय हुई जब एक समूह रामनवमी जुलूस का नेतृत्व कर रहा था। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले दागने पड़े। इलाके में धारा 144 लगा दी गई है। वीडियो में लोग अपनी छतों से जुलूस पर पथराव करते दिख रहे हैं। पुलिस ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है और क्षेत्र में अतिरिक्त बल भेजा गया है। बहरामपुर के सांसद और कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने बुधवार को क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने कहा कि मैं मालदा से झड़प में घायल हुए लोगों को देखने गया था। लेकिन वहां बीजेपी कार्यकर्ताओं ने अस्पताल में विरोध प्रदर्शन किया और कहा कि हिंदुओं पर हमला हो रहा है। रंजन ने कहा कि वह मुझसे जवाब मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि विरोध करने वालों को उन लोगों से पूछना चाहिए जिन्हें जवाब देने की जरूरत है। कांग्रेस नेता चौधरी ने कहा कि दंगे एक सोची समझी साजिश के तहत भड़काए जा रहे हैं और बीजेपी का विरोध यह साबित करता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग से बात की है। शक्तिपुर में अतिरिक्त बल भेजे गए हैं और एसपी मौके पर मौजूद हैं। यह घटना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा मुर्शिदाबाद में रामनवमी पर दंगे भड़कने की चेतावनी के कुछ दिनों बाद हुई है। उनकी टिप्पणी चुनाव आयोग द्वारा जिले में हिंसा और अधिकारी की कथित पर्यवेक्षण की कमी को लेकर मुर्शिदाबाद के पुलिस उप महानिरीक्षक को हटाने के बाद आई है। बता दें ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा था आज भी, सिर्फ बीजेपी के निर्देश पर मुर्शिदाबाद के डीआईजी को बदल दिया गया। अब, अगर मुर्शिदाबाद और मालदा में दंगे होते हैं, तो जिम्मेदारी चुनाव आयोग की होगी। बीजेपी दंगे और हिंसा भड़काने के लिए पुलिस अधिकारियों को बदलना चाहती थी। अगर एक भी दंगा होता है, तो ईसीआई जिम्मेदार होगा।

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और पति राज कुंद्रा की 97 करोड़ की संपत्ति जब्त

-ईडी ने पीएमएलए एक्ट के तहत शुरु की थी जांच

मुंबई।

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ ईडी ने बड़ा एक्शन लिया है। ईडी ने उनकी 97.79 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। जब्त की गई संपत्ति में जुहू स्थित एक बंगला शामिल है जो शिल्पा शेट्टी के नाम है। ईडी ने पुणे में भी एक बंगला और राज कुंद्रा के नाम पर कुछ शेयर भी जब्त किए हैं।ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय की मुम्बई ब्रांच ने पीएमएलए एक्ट के तहत फिल्म एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा से जुड़ी 97.79 करोड़ रुपये कीमत की संपत्ति जब्त की है। ईडी ने महाराष्ट्र में दर्ज अलग-अलग एफआईआर को आधार बनाकर जांच शुरू की थी। आरोप था कि मेसर्स वेरिएबल टेक प्राइवेट लिमिटेड, स्वर्गीय अमित भारद्वाज, अजय भारद्वाज, विवेक भारद्वाज, सिंपी भारद्वाज, महेंद्र भारद्वाज और अन्य एमएलएम एजेंट्स ने करीब 6600 करोड़ रुपये की बिटकॉइन साल 2017 में फर्जी वादों के आधार पर निवेशकों से हासिल किए, जिन्हें 10 प्रतिशत रिटर्न्स का भरोसा दिया और उन्हें बिटकॉइन माइनिंग में निजी हितों के लिए इस्तेमाल किया। यह एक तरह की पोंजी स्किम थी। ईडी का आरोप है कि इस घोटाले के मास्टरमाइंड राज कुंद्रा ने 285 बिटकॉइन हासिल किए थे। ये बिटकॉइन अमित भारद्वाज ने निवेशकों से धोखा कर हासिल किए और यूक्रेन में बिटकॉइन माइनिंग में निवेश किया। जिनकी कीमत आज 150 करोड़ रुपये से ज्यादा की है। ईडी ने इस मामले में छापामारी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। बता दें कि पिछले साल 17 दिसंबर 2023 को सिंपी भारद्वाज, 29 दिसंबर 2023 को नितिन गौर और 16 जनवरी 2023 को अखिल महाजन गिरफ्तार किए गए थे ये सभी अभी जेल में बंद हैं। इस मामले के मुख्य आरोपी अजय भारद्वाज और महेंद्र भारद्वाज अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश ईडी कर रही है। इस मामले में इससे पहले ईडी 69 करोड़ रुपये की

चल-अचल संपत्ति जब्त कर चुका है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सेहत और बाजार

यह विडंबना है कि देश में नियामक कानून न होने की वजह से अनेक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय कंपनियां बच्चों की सेहत बनाने के दावे के साथ मुनाफे का कारोबार करती रही हैं। जिसमें बोर्नविटा और इसी तरह के बहुराष्ट्रीय कंपनियों के पेय पदार्थ भी शामिल रहे हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों को हाल ही में निर्देश दिया है कि बोर्नविटा और इसी तरह के पेय पदार्थों को स्वास्थ्य पेय श्रेणी से हटाया जाए। निश्चित रूप से इस कदम से ऐसे उत्पादों को लेकर पारदर्शिता सुनिश्चित करने और उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने की दिशा में सार्थक पहल हुई है। दरअसल, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की जांच के बाद सामने आया था कि खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत स्वास्थ्य पेय की कोई आधिकारिक परिभाषा नहीं थी। जिसका फायदा कारोबारी कंपनियां अपने उत्पादों को स्वास्थ्यवर्धक बताकर उठाती रही हैं। कैसी विडंबना है कि जिस उत्पाद को कंपनियां स्वास्थ्यवर्धक बताकर वर्षों तक अभिभावकों से मुनाफा कमाती रही, वही उत्पाद बच्चों के लिये स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां भी पेश करता रहा है। वहीं दूसरी ओर इसी महीने की शुरुआत में, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने भी खुलासा किया था कि डेयरी, अनाज या माल्ट आधारित पेय पदार्थों को स्वास्थ्य या ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय के रूप में लेबल नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, स्वास्थ्यवर्धक व ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय के नाम पर बड़ा गोरखधंधा होता रहा है। साथ ही स्वास्थ्यवर्धक पेय के नाम पर अतिरिक्त कीमत वसूली जा रही है। विश्वास किया जाना चाहिए कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण की सार्थक पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे तथा उपभोक्ताओं के दोहन की प्रवृत्ति पर अंकुश लगेगा। निश्चित रूप से तंत्र की काहिली और निगरानी करने वाले विभागों की मिलीभगत से यह खेल दशकों से बदस्तूर जारी था। देर से ही सही, तंत्र ने उपभोक्ता के हितों की रक्षा के लिये पहल की और विश्वास किया जाना चाहिए कि अन्य मामलों में भी उपभोक्ता हितों को बढ़ावा दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्यवर्धक बताकर बेचा जा रहा बोर्नविटा तब विवादों में घिर गया था जब इसके पोषण संबंधी दावों, खासकर इसमें मौजूद चीनी की मात्रा के बाबत सवाल पूछे गए थे। इस विवाद ने ही कालांतर ऐसे एनर्जी ड्रिंक्स की हकीकत का पुनर्मूल्यांकन करने की जरूरत बतायी। सवाल उठे कि कैसे ऐसे उत्पादों की बिक्री और लेबलिंग की जा रही है। हालांकि, बोर्नविटा ने इस प्रतिक्रिया और विवाद के बाद अपने उत्पाद में चीनी की मात्रा को घटाया था। लेकिन भ्रामक आधार पर स्वास्थ्यवर्धक की लेबलिंग के मुद्दे ने पूरे उद्योग जगत को अपने निशाने पर ले लिया। उल्लेखनीय है कि बाजार में 'एनर्जी ड्रिंक' शब्द विशेष रूप से कार्बोनेटेड और गैर-कार्बोनेटेड दोनों तरह के स्वाद वाले पानी आधारित पेय पदार्थों को संदर्भित करता है। विडंबना यह है कि इन पेय पदार्थों को अकसर स्वास्थ्य पेय के नाम पर बाजार में उतारा जाता है और सामान्य पेय पदार्थों की तुलना में इनकी कीमत अधिक रखी जाती है। जबकि इन पेय पदार्थों में चीनी की अधिक मात्रा स्वास्थ्य के लिये गंभीर चुनौती पैदा करती है। खासकर बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। जिसमें छोटी उम्र में मोटापा, मधुमेह और दांतों से जुड़े कई रोग पैदा हो सकते हैं।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

पूरी दुनिया में तेजी से फैल रहा है सनातन हिंदू धर्म

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

पूरे विश्व में आज विभिन्न देशों के नागरिकों में शांति का अभाव दिखाई दे रहा है एवं परिवार के सदस्यों के बीच भी भाईचारे की कमी दिखाई दे रही है। शादी के तुरंत बाद तलाक लेना तो जैसे आम बात हो गई है, आज कई विकसित देशों में तलाक की दर 60 प्रतिशत से भी अधिक है। बुजुर्ग माता पिता की देखभाल करने वाला उनका अपना कोई साथ नहीं है। अमेरिका में तो लगभग 10 लाख बुजुर्ग नागरिक खुले में रहते हुए अपना जीवन यापन करने को मजबूर हैं। इन देशों में तो जैसे सामाजिक तानाबाना ही छिन्न भिन्न हो गया है। इसी प्रकार के अन्य कई कारणों के चलते आज सनातन हिंदू धर्म के प्रति विदेशी लोग आकर्षित हो रहे हैं, क्योंकि सनातन हिंदू धर्म का अपना एक अलग ही महत्व है। सनातन हिंदू धर्म में कुटुंब के प्रति वफादारी बचपन से ही सिखाई जाती है। भारत में आज भी संयुक्त परिवार की प्रथा प्रचलन में हैं, जिससे बच्चे अपने बचपन में ही अपने माता पिता की सेवा करने के संस्कार सीखते हैं और उन्हें पूरे जीवन भर अपने साथ रखने का संकल्प लेते हैं। विश्व में कुछ अन्य धर्मों में बच्चों को बचपन में ही कट्टरता सिखाई जाती है एवं केवल अपने धर्म को ही सर्वश्रेष्ठ धर्म के रूप में पेश किया जाता है। इससे इन बच्चों में अन्य धर्मों के प्रति सद्भावना विकसित नहीं हो पाती है। कई बार तो अन्य धर्म को मानने वाले नागरिकों का धर्म परिवर्तन कर उन्हें अपना धर्म मानने को मजबूर भी किया जाता है। इसके ठीक विपरीत सनातन हिंदू धर्म किसी अन्य मजहब को मानने वाले व्यक्ति पर कभी भी कोई दबाव नहीं डालता है। सनातन हिंदू संस्कृति अन्य धर्मों के नागरिकों को किसी प्रकार का धर्म मानने की खुली स्वतंत्रता प्रदान करती है। ऐसा कहा जाता है कि जब इस दुनिया में कोई भी धर्म नहीं था तब इस धरा पर निवास करने वाले लोग केवल सनातन हिंदू धर्म का ही पालन करते थे। सनातन हिंदू धर्म बहुत ही ज्यादा संयमित धर्म है जो किसी अन्य धर्म की ना तो उपेक्षा करता है और न ही वह अपने धर्म के वर्चस्व को सबके सामने रखने का प्रयास करता है। इसी कारण से कट्टरता के इस माहौल में आज पूरे विश्व में सनातन हिंदू धर्म के प्रति लोगों की आस्था एवं रुचि बढ़ रही है। सनातन हिंदू धर्म आज विश्व में तीसरा सबसे बड़ा धर्म है और भारत में अधिकतर लोग इस धर्म को मानते हैं। एक अनुमान के अनुसार सनातन हिंदू धर्म इस पृथ्वी पर 10,000 वर्षों से हैं। लेकिन यदि वेदों और उपनिषदों में लिखी बातों को माने तो सनातन हिंदू धर्म की उत्पति लाखों वर्ष पहिले हुई थी उस समय ये सनातन धर्म के नाम से जाना जाता था। हिंदू धर्म को मानने वाले लोग भारत में रहते थे। इस धर्म को बहुत प्रभावशाली माना गया है। अन्य कुछ धर्मों के संस्थापक रहे हैं, जैसे ईसाई धर्म के संस्थापक के रूप में प्रभु यीशू को माना जाता है तथा इस्लाम धर्म के लिए मोहम्मद साहिब को संस्थापक माना जाता है और बौद्ध धर्म के लिए गौतम बुद्ध को संस्थापक जाना जाता है। परंतु, हिंदू धर्म के बारे में कहा जाता है कि कुछ संतों एवं महापुरूषों ने एक होकर जीवन को सही तरीके से व्यतीत करने का तरीका विकसित किया था। सनातन हिंदू संस्कृति को, धर्म नहीं बल्कि यह, जीवन जीने का एक तरीका भी माना जाता था।

सनातन हिंदू धर्म का यह मानना है कि प्रभु परमात्मा ने इस धरा पर सबको खुलकर हंसने, उत्सव मनाने और मनोरंजन करने की योग्यता दी है। यही कारण है कि सनातन हिंदू धर्म में सबसे अधिक त्यौहार और संस्कार होते हैं। उत्सव, जीवन में सकारात्मक संदेश लेकर आते हैं और हमारे संस्कार मिलन सरिता को दर्शाते हैं। सनातन हिंदू धर्म की यही प्रक्रिया दुनिया पसंद करती है। तभी तो ब्रिज की होली और कुम्भ के मेले का अवलोकन करने के लिए पूरी दुनिया से लोग भारत में आते हैं। यही एक कारण है कि आज पूरी दुनिया के कोने कोने में लोग हिंदू धर्म में अपनी रुचि दिखा रहे हैं। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन के अनुसार, आबादी के लिहाज से दुनिया के तीसरे सबसे बड़े देश अमेरिका में अब हिंदूओं की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है और हिंदू वहां राजनैतिक रूप से भी सक्रिय हो रहे हैं। इसके अलावा, कोरोना महामारी के बाद से पूरे अमेरिका एवं विश्व के अन्य देशों में योग और ध्यान की ओर लोगों का आकर्षण बहुत बढ़ गया है। योग और ध्यान पूरे विश्व को सनातन हिंदू धर्म की ही देन है। सनातन हिंदू धर्म बिलकुल ही कट्टरपंथी धर्म नहीं है। अन्य धर्मों की तरह इसमें किसी भी प्रकार का सामाजिक दबाव नहीं हैं। इस धर्म में धार्मिक शिक्षा के लिए कोई भी जोर जबरदस्ती नहीं है जैसा कि कुछ अन्य धर्मों में होता है। हिंदू धर्म मानता है कि शिक्षा सभी तरह की होनी चाहिए केवल धार्मिक आधार पर शिक्षा देना उचित नहीं है। किसी भी बच्चे की शिक्षा में अगर संस्कार जुड़ जाए तो वह बच्चा बड़ा होकर एक जिम्मेदार नागरिक बनता है और वह एक अच्छा इंसान बनता है। सनातन हिंदू धर्म में परोपकार की भावना होती है। अन्य धर्मों की तरह यह केवल अपने वर्चस्व के बारे में नहीं सोचता है। इंडोनेशिया जो कि एक मुस्लिम बहुल देश हैं वहां पर सनातन हिंदू धर्म से जुड़े संस्कार आज भी पाए जाते हैं जिससे यह सिद्ध होता है कि यह देश हिंदू धर्म से कितना प्रभावित रहा है। मुस्लिम बहुल देश होने के बावजूद हिंदू धर्म का बहुत बड़ा प्रभाव यहां आज भी दिखाई देता है। मुस्लिम लोग भी अपना नाम हिंदू देवी देवताओं के नाम पर रखना पसंद करते हैं। सनातन हिंदू धर्म कभी भी किसी नागरिक पर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं डालता है। सनातन हिंदू धर्म कभी भी किसी को लालच देकर धर्म परिवर्तन नहीं करवाता है। परंतु, आज प्रत्येक वर्ष पूरे विश्व में बहुत से लोग अन्य धर्मों को छोड़कर स्वप्रेरणा से हिंदू धर्म अपना रहे हैं। सनातन हिंदू धर्म में स्त्रियों को जितना सम्मान दिया जाता है उतना किसी भी अन्य धर्म में नहीं दिया जाता है। सनातन हिंदू धर्म में स्त्रियों की पूजा की जाती है। सनातन हिंदू धर्म में आस्था का मतलब है कि जीवन में उमंग, उत्साह, उल्लास और मानवता की ओर झुकाव। जहां भारत में सनातन हिंदू धर्म को मिटाने की नाकाम कोशिश की जाती है वहीं रूस, ब्रिटेन, अमेरिका, घाना, सुरीनाम जैसे देशों में हिंदू धर्म तेजी से फैल रहा है। सनातन हिंदू धर्म पूरी दुनिया को शांति का संदेश देता है।

कई देशों में तो आज सनातन हिंदू संस्कारों का अनुपालन करते हुए विशेष गांव स्थापित किए जा रहे हैं। आयरलैंड में 22 एकड़ का एक हिंदू आइलैंड बन गया है। इसे हरे कृष्णा आइलैंड का नाम दिया गया है। यहां निवासरत समस्त नागरिकों द्वारा सनातन हिंदू धर्म के प्राचीन रीति रिवाजों का पालन बहुत ही सहजता के साथ किया जाता है। सनातन हिंदू धर्म के वैदिक नियमों को सदा सदा के लिए जीवित रखने के लिए यहां पर रहने वाले सनातनी हिंदू, मांस का परित्याग का शाकाहारी भोजन गृहण करते हैं। नशीले पदार्थों, शराब एवं सिगरेट आदि पदार्थों से भी दूर रहते हैं। सुबह एवं शाम मंदिरों में पूजा अर्चना करते हैं। उनका जीवन सादगी भरा रहता है तथा कृषि एवं गाय पालन करते हुए अपना जीवन यापन करते हैं। महिलाएं साड़ी पहनती है एवं पुरुष धोती कुर्ता धारण करते हैं। इसी प्रकार के गांव जहां हिंदू सनातन संस्कृति का अनुपालन किया जाता है अन्य कई देशों यथा घाना, फीजी एवं अन्य कई अफ्रीकी देशों, सुदूर अमेरिका, यूरोप के देशों, आदि में भी तेजी से फैलते जा रहे हैं। इसी प्रकार, कजाकिस्तान एक मुस्लिम देश है क्योंकि यहां की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी इस्लाम को मानने वाले लोगों की है। परंतु, हाल ही के समय में यहां भी एक बड़ा बदलाव देखने में आ रहा है और यहां नागरिक सनातन हिंदू धर्म के प्रति आकर्षित होते दिखाई दे रहे हैं। यहां सनातन हिंदू धर्म की लहर इतनी तेजी से उठी है कि हर तरफ हिंदू धर्म की आस्था एवं आध्यात्म का फैलाव दिखाई दे रहा है। यहां के युवा विशेष रूप से भगवत गीता पढ़ने की ओर आकर्षित हो रहे हैं और हिंदू धर्म को समझने का प्रयास कर रहे हैं। एक कजाकिस्तानी महिला मारीना टारगाकोवा की भगवत गीता को पढ़कर हिंदू धर्म के प्रति रुचि इतनी बढ़ी है कि अब उसने जैसे बीड़ा ही उठा लिया है कि वह कजाकिस्तान में सनातन हिंदू धर्म को फैलाने का प्रयास लगातार करती नजर आ रही है।

उलझे समीकरणों के बीच संभव नहीं कामयाबी दोहराना

राज्यनामा -राजस्थान

डॉ. यश गोयल

राजस्थान में आसन्न लोकसभा चुनावों में भले राजनीतिक दल अपने-अपने दावे कर रहे हों, लेकिन स्थितियां पिछले आम चुनाव जैसी नहीं हैं। वह बात अलग है कि 2014 और 2019 में सभी 25 सीटों पर भाजपा ने कामयाबी हासिल की थी। एक तरफ भाजपा राज्य में हैट्रिक बनाने की पूरी कोशिश कर रही है लेकिन चुनावी मैदान में उसकी राह पहले जितनी आसान भी नहीं है। इस बार 25 लोकसभा सीटों में से बारह पर आमने-सामने का चुनावी मुकाबला कांटे का होता नजर जा रहा है। राज्य की 12 सीटों पर पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को और 13 सीटों पर दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रैल को होना है। भाजपा के स्टार प्रचारक अपना मुख्य लक्ष्य राज्य के चार केंद्रीय मंत्रियों भूपेन्द्र यादव, अलवर, बाड़मेर में कैलाश चौधरी, जोधपुर में गजेंद्र सिंह शेखावत, बीकानेर में अर्जुन राम मेघवाल और कोटा-बूंदी लोकसभा क्षेत्रों में स्पीकर ओम बिरला पर केंद्रित कर रहे हैं। इसके अलावा 25 में से 12 सीटों पर भाजपा और कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर है। ये सीटें हैं बांसवाड़ा, झुंझुनू, टोंक-सवाईमाधोपुर, बाड़मेर, नागौर, कोटा-बूंदी, जालौर, सीकर, दौसा, चूरू, अलवर और जयपुर। बांसवाड़ा लोकसभा सीट पर कांग्रेस असमंजस में है क्योंकि उसके उम्मीदवार अरविंद डामोर ने इंडिया ब्लॉक के भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) के उम्मीदवार व राजस्थान में मौजूदा विधायक राजकुमार रोत के समर्थन में अपना नामांकन पत्र वापस नहीं लिया। कांग्रेस और बीएपी दोनों पूरी तरह असमंजस में हैं कि क्या इंडिया गठबंधन के मानदंडों का पालन किया जाए या स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ा जाए। भाजपा बाड़मेर, झुंझुनू, चूरू, नागौर और कोटा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मुश्किल स्थिति में है, जहां पार्टी को अपने पार्टी प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के लिए कोटा-बूंदी सीट पर हैट्रिक लगाना आसान नहीं होगा। हाल ही में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रहलाद गुंजल के पास बहुमत के साथ गुर्जर, मीना और अल्पसंख्यक वोट हैं। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं के अंदरूनी समर्थन द्वारा बिरला की बेचैनी बढ़ा दी है। इसी तरह चूरू में भी भाजपा की चुनावी लड़ाई कठिन राह पर है क्योंकि भाजपा के सांसद राहुल कांसवा, जिन्हें पार्टी का टिकट नहीं मिला, कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। वे पैरा-ओलंपियन देवेंद्र झाझरिया को चुनौती दे रहे हैं। भाजपा के पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, जो चूरू जिले से थे, पिछले साल विधानसभा चुनाव हार गए, उन्हें इस सीट के लिए उम्मीदवार नहीं माना गया था। उनकी इस सीट पर बड़ी निर्णायक भूमिका होगी। नागौर लोकसभा सीट एक अन्य प्रमुख निर्वाचन क्षेत्र है, जहां भाजपा के पूर्व गठबंधन सहयोगी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के हनुमान बेनीवाल, जो अब इंडिया ब्लॉक पार्टनर बन गए हैं, भाजपा की ज्योति मिर्धा, जो कांग्रेस से भाजपा में आई हैं, के लिए कड़ा चुनाव प्रचार कर रहे हैं। कांग्रेस से टिकट की उम्मीद कर रहे निर्दलीय उम्मीदवार रवींद्र सिंह भाटी ने केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी (भाजपा) और कांग्रेस के उमेदाराम बेनीवाल के साथ बाड़मेर लोकसभा सीट को त्रिकोणीय बना दिया है। भाजपा के प्रमुख संत सुमेधानंद सरस्वती सीकर निर्वाचन क्षेत्र में सीपीआई-एम के इंडिया ब्लॉक पार्टनर अमराराम, जो कांग्रेस के खुले समर्थन वाले किसान नेता हैं और आसपास के जिलों श्रीगंगानगर और हनुमागढ़ के साथियों के खिलाफ कड़ा चुनावी अभियान चला रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने बेटे वैभव गहलोत के लिए पिछले एक महीने से राजस्थान के पश्चिमी जिलों में चुनाव प्रचार कर रहे हैं, जो जालोर सीट पर भाजपा के नए आरएसएस प्रमुख लुंबा राम चौधरी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में वैभव जोधपुर लोकसभा सीट पर भाजपा के गजेंद्र सिंह शेखावत, जो अब केंद्रीय मंत्री हैं, से 4 लाख वोटों के भारी अंतर से हार गए थे। भाजपा की जयपुर-शहर सीट भाजपा के पूर्व मंत्री भंवर लाल शर्मा की बेटी मंजू शर्मा के लिए आसान नहीं है। कांग्रेस के पूर्व मंत्री और कद्दावर युवा नेता प्रताप सिंह खाचरियावास रोजाना सड़कों और शहर में घूम-घूमकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। मौजूदा सांसद बालक नाथ की जगह लेने वाले केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद भूपेन्द्र यादव, कांग्रेस के मौजूदा विधायक ललित यादव के साथ आमने-सामने की लड़ाई में हैं, जो अलवर जिले के मत्स्य क्षेत्र से हैं और उन्हें यादव समुदाय का खुला समर्थन प्राप्त है। चुनावी पेचीदगियों के चलते भाजपा उम्मीदवार या तो मोदी के चेहरे या कमल के निशान पर अपनी सीटें जीतने की उम्मीद कर रहे हैं।

विचार मंथन

ईड़ी ने 10 साल में डाले 7264 छापे, 755 गिरफ्तारियां, अधिकांश विपक्षी दलों के नेता

(लेखक - सनत जैन)

मनी लॉन्ड्रिंग कानून देश में आतंकवादी गतिविधियों,ड्रग्स और मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहम ति से बनाया हुआ कानून है। भारत में केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय को मनी लांड्रिग कानून के तहत कार्रवाई करने के अधिकार प्रवर्तन निदेशालय ईडी को दिए गए। 2005 से 2014 के 10 वर्षों में केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ने 1797 मामलों की जांच शुरू की थी। इसमें 84 छापे डाले गए 29 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। 102 मामलों की जांच की गई थी। 2005 से 2014 के बीच में 5086 करोड रुपए की संपत्ति अटैच की गई थी। 43 लाख रुपए की जपती बनाई गई थी। पीएमएलए कानून 2002 में बनाया गया था। जब अटल जी की सरकार केन्द्र में थी। अंतर्राष्ट्रीय अपराधों को रोकने के लिए यह कानून बनाया गया था, जो भारत में 2005 से लागू किया गया। 2014 के बाद से इस कानून का उपयोग लगभग बदल गया है, जो कानून अंतरराष्ट्रीय सहमति से आतंकवादी गतिविधियों और ड्रग्स के कारोबार तथा मनी लांड्रिंग के गंभीर अपराधों को रोकने के लिए बनाया गया था। उस कानून का उपयोग पिछले 10 वर्षों से भ्रष्टाचार के आरोप मैं शिकायतों की जांच के लिए किया जाने लगा। अप्रैल 2014 से लेकर मार्च 2024 के बीच में ईड़ी ने 5155 मामलों को जांच के दायरे में लिया। 7264 स्थानो पर छापेमारी की 755 लोगों को गिरफ्तार किया। इसमें अधिकांश राजनीतिक दलों के नेता, कारोबारी और कुछ सरकारी अधिकारी शा मिल हैं। जिनके ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप लगे, उनकी जांच ईड़ी के अधिकारी कर रहे हैं। पिछले 20 सालों में अभी तक 36 मामलों में ही न्यायालय से 63 लोगों को सजा मिली है। ईड़ी ने पिछले 10 वर्षों में 24 मामलों में रेड कॉर्नर नोटिस जारी किए हैं। छापे में 1,21,618 करोड रुपए की संपत्ति को अटैच किया है। 2310 करोड रुपए की नगदी को जप्त किया है। यूपीए सरकार के कार्यकाल में पीएमएलए कानून के तहत 1797 मामलों की जांच में 102 चार्ज सीट न्यायालय में दाखिल की गई वहीं एनडीए के 10 सालों के कार्यकाल में 5155 मामलों में मनी लेंडिंग की जांच शुरू हुई। एनडीए के कार्यकाल में 1281 मामलों में जांच शुरू की। अभी तक मात्र 6 फ़ीसदी मामलों की ही चार्ज शीट न्यायालय में पेश हो पाई है। 2014 के बाद से विपक्षी दलों के नेताओं और उनसे जुड़े मामलों को लेकर ईडी द्वारा जांच की जा रही है। नेताओं को जेल में इस कानून के तहत बंद किया जा रहा है। इस कानून में जमानत देने के अधिकार न्यायालयों के सीमित है। यूपीए के कार्यकाल में जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उन में अधिकांश मामलों में चार्ज शीट न्यायालय में पेश नहीं हो पाई है। वर्षों से आरोपी न्या यिक हिरासत में जेलों में बंद है। जिन मामलों में अभी तक सजा हुई है, वह सभी मामले यूपीए के कार्यकाल में शुरू की गई जांच के मामलों में हुई है। 2005 से 2014 की तुलना में 2014 से 2024 के बीच में 84 फ़ीसदी तलाशी और छापे की कार्रवाई बढ़ गई है। गिरफ्तार लोगों की संख्या भी 29 से बढ़कर 755 पर पहुंच गई है। पिछले 10 सालों में भ्रष्टाचार के आरोप में जो जांच शुरू की गई थी, उस पर ईड़ी ने पीएमएलए कानून के तहत मामला दर्ज करके गिरफ्तारियां की हैं। जबकि भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने के लिए भारत में केंद्रीय स्तर पर और राज्य स्तर पर अलग एजेंसियां और अलग कानून हैं। आरो पियों को पीएमएलए कानून के तहत गिरफ्तार करने से न्यायालयों से जमानत नहीं मिल रही है। ईड़ी के अधिकारी दिल्ली के शराब घोटाले के आरोप की जांच 2 साल में भी पूरी नहीं कर पाए। मनी लॉन्ड्रिंग का कोई सबूत अभी तक जांच एजेंसी नहीं जुटा पाई है। इसके बाद भी जांच और तारीख पर तारीख के नाम पर आरोपियों को लंबे समय तक जेलों में बंद रखा जा रहा है। पीएमएलए कानून का उपयोग भ्रष्टाचार के मामले में होगा, ऐसा किसी ने सोचा नहीं था। इसके बाद भी केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय द्वारा भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच में जिस तरह से छापामारी और गिरफ्तारियां की जा रही है। उसमें संजय सिंह पहले व्यक्ति हैं, जिन्हें 6 महीने के अंदर न्यायालय से जमानत हुई है। न्यायालय में जो मामले अभी तक गए हैं। उसमें ट्रायल कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पीएमएलए कानून में गिरफ्तार लोगों की जमानत के मामले में अब वस्तु स्थिति सामने आ चुकी है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में ईड़ी को चेतावनी भी दी है। एनडीए सरकार के ऊपर अब यह आरोप भी लग रहे हैं राजनीतिक द्वेष के कारण पहले आरोप लगाए जाते हैं। फिर उन मामलों को ईड़ी को सौंप दिया जाता है। जो लोग भाजपा में प्रवेश ले लेते हैं, उन्हें गिरफ्तारी से बचाकर उनका मामला ठंडा बस्ते में डाल दिया जाता है। जो भाजपा में प्रवेश नहीं लेते हैं अथवा जो सरकार के सामने समर्पण नहीं करते हैं, उन्हें जेलों में बंद करके रखा जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईसीआईसीआई लोम्बार्ड का मुनाफा मार्च तिमाही में 19 फीसदी बढ़ा

मुंबई । निजी क्षेत्र की प्रमुख साधारण बीमा कंपनी आईसीआईसीआई लोम्बार्ड का बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में मुनाफा 18.9 प्रतिशत बढ़कर 520 करोड़ रुपये हो गया। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड ने हाल ही में जनवरी-मार्च, 2024 तिमाही के नतीजों की जानकारी दी। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी ने 437 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। बीमा कंपनी का समूचे वित्त वर्ष 2023-24 में मुनाफा 11 प्रतिशत बढ़कर 1,929 करोड़ रुपये हो गया जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह 1,729 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम आय (जीडीपीआई) 22 प्रतिशत बढ़कर 6,073 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले के 4,977 करोड़ रुपये की तुलना में 9.5 प्रतिशत अधिक है। मार्च तिमाही में कंपनी का बीमा दावों पर संयुक्त अनुपात 104.2 प्रतिशत की तुलना में 102.2 प्रतिशत पर आ गया जबकि समूचे वित्त वर्ष में यह अनुपात 103.3 प्रतिशत रहा।अर्जित प्रीमियम पर होने वाले खर्च और दावों से होने वाले नुकसान का अनुपात संयुक्त अनुपात कहा जाता है। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि कंपनी वित्त वर्ष 2024-25 में इस अनुपात को 102 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

अल्टम क्रेडो ने जी3 पार्टनर्स व अन्य से जुटाए 332 करोड़

मुंबई । अल्टम क्रेडो ने वित्त पोषण चक्र में जी3 पार्टनर्स तथा अन्य से चार करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 332 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। जी3 पार्टनर्स और निवेशक ओइकोक्रेडिट ने वित्त पोषण चक्र का नेतृत्व किया। कंपनी ने एक बयान में कहा गया कि सीरीज सी चक्र में ताजा इक्विटी में 2.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर और सीरीज ए में निवेशकों के लिए 1.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए गए। पुणे मुख्यालय वाली कंपनी प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) बढ़ाने के लिए नई पूंजी जुटाने की योजना बना रही है। मार्च 2024 तक कंपनी की एयूएम 830 करोड़ रुपये थी। बयान के अनुसार प्रमुख निवेशकों के अलावा ब्रिटेन के ब्रिटिश इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट और मौजूदा निवेशक आविष्कार कैपिटल, एमिकस कैपिटल और पीएस पाई और परिवार ने भी नवीनतम वित्त पोषण चक्र में हिस्सा लिया।

टैलब्रोस की संयुक्त उद्यम कंपनी को मिला 1,000 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली । टैलब्रोस ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स की संयुक्त उद्यम कंपनी को यूरोपीय मूल की कंपनी से करीब 1,000 करोड़ रुपये का एक ठेका हो सिल हुआ है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इसे चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही से शुरू करके अगले आठ वर्षों की अवधि में पूरा करना है। यह ठेका कंपनी की संयुक्त उद्यम कंपनी मारेली टैलब्रोस चेसिस सिस्टम्स (एमटीसीएस) को मिला है। एमटीसीएस को पिछले साल विभिन्न उत्पाद खंडों में 980 करोड़ रुपये के ठेके मिले थे।

फ़ेसेनियस काबी ने अमेरिका में नैटको फार्मा पर दर्ज कराई शिकायत

नई दिल्ली । नैटको फार्मा के डायजेपाम इंजेक्शन प्रीफिल्ड सिरिंज के विपणन को लेकर फ़ेसेनियस काबी ने अमेरिका की एक जिला अदालत में शिकायत दर्ज कराई है। नैटको फार्मा ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि फ़ेसेनियस काबी यूएसए, एलएलसी और फ़ेसेनियस काबी डॉयचलैंड जीएमबीएच ने अमेरिका में डैश फार्मास्यूटिकल्स के डायजेपाम इंजेक्शन प्रीफिल्ड सिरिंज के विपणन के संबंध में डेलावेयर के जिला न्यायालय में नैटको फार्मा यूएसए एलएलसी के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। डैश फार्मास्यूटिकल्स एलएलसी का नैटको फार्मा इंक द्वारा अधिग्रहण करने के बाद इसका नाम बदलकर नैटको फार्मा यूएसए एलएलसी कर दिया गया था। कंपनी ने बताया कि फ़ेसेनियस ने अभी तक शिकायत की शर्तें पूरी नहीं की है जो मुकदमा शुरू करने के लिए आवश्यक है। नैटको फार्मा तदनुसार अपना पक्ष रखेगी।

ईपीएफओ ने पैसे निकालने के नियमों में किया बदलाव

नई दल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने करोड़ों पीएफ विड्रॉल के नियमों में नया बदलाव किया है। इससे इलाज के लिए पीएफ से पैसे निकालना आसान हो गया है। ईपीएफओ का यह बदलाव पैराग्राफ 68जे के तहत ऑटो क्लेम प्रोसेसिंग (ऑटो विड्रॉल) की लिमिट को लेकर है। ईपीएफओ ने इस संबंध में 16 अप्रैल को एक सर्कुलर जारी कर बताया कि पहले जहां पैराग्राफ 68जे के तहत पीएफ से पैसे निकालने की लिमिट 50 हजार रुपए थी, उसे अब बढ़ाकर 1 लाख रुपए कर दिया गया है। यानी अब अगर कोई ईपीएफओ सब्सक्राइबर अपने पीएफ अकाउंट से मेडिकल जरूरतों के लिए 1 लाख रुपए तक की निकासी के लिए आवेदन देता है तो उसकी प्रोसेसिंग ऑटो मोड में हो जाएगी। पहले ऑटो प्रोसेसिंग की सुविधा सिर्फ 50 हजार रुपए तक के क्लेम के लिए थी यानी अब ईपीएफओ के सब्सक्राइबर मेडिकल जरूरतों के लिए आसानी से ज्यादा पैसों की निकासी कर सकते हैं। ईपीएफओ प्राइवेट सेक्टर के करोड़ों कर्मचारियों के लिए सोशल सिक्योरिटी फंड को मैनेज करता है, जिनमें ईपीएफ और ईपीएस आदि शामिल हैं। पीएफ में कंट्रीब्यूट करने वाले सभी सब्सक्राइबर को कुछ जरूरत पड़ने पर पैसे निकालने की सुविधा मिलती है, जैसे कोई कर्मचारी अगर अचानक से बेरोजगार हो जाता है यानी उसकी नौकरी चली जाती है, ऐसे में फॉर्म-19 के तहत आवेदन कर पीएफ से पैसे निकाले जा सकते हैं। कर्मचारियों को नौकरी जाने के अलावा मकान खरीदने, मकान बनाने, मकान की मरम्मत कराने, शादी-विवाह, बच्चों

की पढ़ाई आदि जैसी जरूरतों के लिए भी पीएफ से पैसे निकालने की सुविधा मिलती है। एक ऐसी ही जरूरत खुद के या डिपेंडेंट के इलाज भी है। इसके लिए पैराग्राफ 68जे के तहत पीएफ से एडवांस विड्रॉल किया जा सकता है। इसमें अगर सब्सक्राइबर या डिपेंडेंट एक महीने से ज्यादा अस्पताल में भर्ती रहते हों या टीबी, लेप्रोसी, पैरालिसिस, कैंसर, मेंटल इलनेस, हर्ट की कोई बीमारी आदि से पीड़ित हों तो 68जे के तहत क्लेम किया जा सकता है।

पेमेंट एग्रीगेटर के लिए नियमों का मसौदा जारी

अपने प्लेटफॉर्म पर पूरा कर सकेंगे कारोबारियों के लिए केवायसी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेमेंट एग्रीगेटर (पीए) के लिए विनियमन प्रारूप तय किया है। इसके अंतर्गत पीए जोखिम के प्रबंधन के लिए अपने प्लेटफॉर्म पर कारोबारियों के लिए जानें अपने ग्राहक (केवायसी) को पूरा कर सकेंगे। मंगलवार को जारी दिशानिर्देश में छोटे व मध्यम कारोबारियों के लिए केवायसी प्रक्रिया का खाका तैयार किया गया है। इसमें कहा गया है कि पीए को संपर्क बिंदु सत्यापन (सीपीवी) करने और उस बैंक खाते का विधिवत सत्यापन करने की आवश्यकता होगी जिसमें छोटे कारोबारियों के कोष का निपटान किया गया है। इस प्रारूप के मानदंडों के अनुसार फिजिकल मर्चेंट के तहत पांच लाख रुपये सालाना से कम फेस टू फेस लेन देन करने वाले है और ये वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) के अंतर्गत छोटे कारोबारी के रूप में पंजीकृत नहीं हैं। आरबीआई ने कहा है कि मध्यम व्यापारियों के लिए पीए सीपीवी का संचालन करेंगे। पीए मालिक, लाभकारी मालिक या वकील रखने वाले व्यक्ति का एक आधिकारिक रूप से वैध दस्तावेज़ (ओवीडी) भी प्राप्त और सत्यापित करेगा। उन्हें व्यवसाय के एक ओवीडी को सत्यापित करना आवश्यक होगा।

अडानी ने अंबुजा सीमेंट में और बढ़ाई हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

अदाणी ग्रुप के मालिकाना हक वाली सीमेंट और भवन निर्माण सेक्टर की प्रमुख कंपनी अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड ने बताया कि कंपनी के प्रमोटर अदाणी परिवार ने अंबुजा सीमेंट्स में 8,339 करोड़ रुपये की अतिरिक्त पूंजी का निवेश किया है। इस निवेश के साथ ही अदाणी परिवार ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी 3.6 फीसदी से बढ़ाकर 70.3 फीसदी कर ली है। शेयर बाजार को दी सूचना में कंपनी ने बताया कि अदाणी परिवार ने इससे पहले 18 अक्टूबर, 2022 को कंपनी में 5,000 करोड़ रुपये और 28 मार्च, 2024 को 6,661 करोड़ रुपये का निवेश किया था। ताजा निवेश के साथ उसने 20,000 करोड़ रुपये की वारंट योजना को सब्सक्राइब कर लिया है। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक इस निवेश से अंबुजा को अपनी मौजूदा क्षमता को 31 दिसंबर तक 76.1 मिलियन टन से 2028 तक लगभग दोगुना करके 140 मिलियन टन प्रति वर्ष करने के लिए अपनी विकास महत्वाकांक्षाओं को तेज करने में मदद मिलेगी। बार्कलेज बैंक पीएलसी, एमयूएफजी बैंक, मिज़ुहो बैंक और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने लेनदेन के लिए सलाहकार के रूप में काम किया। शेयर बाजार को दी सूचना में कंपनी ने कहा कि ताजा निवेश क्षमता विस्तार में मदद करने के अलावा, पूंजीगत व्यय को कम करने, परिचालन प्रदर्शन को बढ़ाने के साथ-साथ संसाधनों और आपूर्ति श्रृंखला में दक्षता लाने सहित विभिन्न रणनीतिक पहलों को भी पूरा करने में मदद करेगा। यह इनोवेशन और उत्पाद वृद्धि को भी बढ़ावा देगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी ही बिकवाली हावी होने से आई है। मध्य पूर्व में इजराइल और ईरान के बीच तनाव से भी निवेशकों ने सतर्कता बरती है।

आज कारोबार के दौरान बैंकिंग शेयरों में गिरावट से भी बाजार पर दबाव पड़ा। आईटी शेयरों में भी कुछ में ही बढ़त रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 454.69 अंक करीब 0.62 फीसदी नीचे आकर 72,488.99 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 72,365.67 और 73,473.05 के बीच में कारोबार हुआ।

दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 152.05 अंक तकरीबन 0.69 फीसदी नीचे

आकर दिन के अंत में 21,995.85 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 21,961.70 और 22,326.50 के बीच में कारोबार हुआ इससे पहले आज सुबह श्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से बाजार की तेजी के साथ शुरुआत हुई। बाजार में करीब बीते 3 कारोबारी दिनों में बिकवाली का माहौल था पर गुरुवार को बाजार में खरीदारी देखने को मिली। बाजार के प्रमुख इंडेक्स हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। सेंसेक्स करीब 300 अंक उछलकर 73,200 के पार पहुंच गया है। वहीं निफ्टी में भी 100 अंक ऊपर 22250 के पार कारोबार देखा गया है। बुधवार को रामनवमी के मौके पर बाजार बंद था। इससे पहले मंगलवार को ईरान-इजराइल युद्ध से बाजार गिरा था।

मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने की आशंकाओं के बीच आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के कारण इक्विटी बेंचमार्क सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन भी गिरावट जारी रही। मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स 456 अंक कमजोर हुआ। वहीं निफ्टी में भी 124 अंक की गिरावट दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में स्मॉलकैप की मांग थी। एनएसई पर स्मॉलकैप इंडेक्स 0.5 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि मिडकैप इंडेक्स कारोबार के उतार-चढ़ाव भरे दिन के बाद 0.1 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ।

चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि दर 8-8.3 फीसदी रह सकती है: पीएचडी चैंबर

- जीडीपी 6.7 प्रतिशत बढ़कर 2047 तक 34,700 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली । उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने कहा कि देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 8.0 से 8.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उद्योग मंडल ने कहा कि देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर अगले 23 साल तक औसतन 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी और 2047 तक इसके 34,700 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। उस समय तक प्रति व्यक्ति आय 21,000 डॉलर होगी। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि देश में वृद्धि के लिहाज से बुनियाद मजबूत है। इसके साथ हमारा चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 8.0 से 8.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि 2035 के बाद वृद्धि दर उच्चस्तर से धीरे-धीरे नीचे आएगी और औसतन यह अगले 23 साल 6.7 प्रतिशत रहेगी। उद्योग मंडल ने एक रिपोर्ट में देश को 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सुझाव दिए। पीएचडी चैंबर ने अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए व्यापार करने की लागत को कम करने और फिनटेक (वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों), सूचना प्रौद्योगिकी, वाहन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बड़े स्तर पर क्षमता बढ़ाने की सिफारिश की है। साथ ही सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास पर विशेष ध्यान देने का सुझाव दिया है। इसके अलावा, स्टार्टअप परिवेश को निरंतर सहयोग देने का आह्वान किया है। निर्यात के लिए क्षमता बढ़ाने का सुझाव दिया गया है। इसके तहत वैश्विक व्यापार में निर्यात मात्रा बढ़ाने के लिए संभावित 75 उत्पादों पर ध्यान देने की बात कही गई है। उद्योग मंडल ने कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए सुधार उपायों का भी सुझाव दिया है।

भारती एयरटेल श्रीलंका परिचालन ने डायलॉग एक्सियाटा से किया समझौता

नई दिल्ली । दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल शेयर अदला-बदली सौदे के जरिए अपने श्रीलंका परिचालन का डायलॉग एक्सियाटा के साथ विलय करेगी। संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई। वित्त वर्ष 2022-23 में एयरटेल श्रीलंका का कारोबार 294 करोड़ रुपये था। यह भारती एयरटेल के कुल कारोबार का 0.21 प्रतिशत था। बयान में कहा गयो कि डायलॉग एक्सियाटा पीएलसी, एक्सियाटा ग्रुप बरहाद (एक्सियाटा) और भारती एयरटेल लिमिटेड ने श्रीलंका में अपने परिचालन को संयोजित करने के लिए एक निश्चित समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें कहा गया है कि समझौते के तहत श्रीलंका स्थित दूरसंचार कंपनी डायलॉग एयरटेल श्रीलंका में जारी किए गए शेयरों में से 100 प्रतिशत का अधिग्रहण करेगा। इसके बदले डायलॉग, भारती एयरटेल को साधारण वोटिंग शेयर जारी करेगा, जो शेयर अदला-बदली के माध्यम से डायलॉग के कुल जारी किए गए शेयर का 10.355 प्रतिशत होगा। डायलॉग की शुरुआत श्रीलंका में 17 अगस्त 1993 को की गई थी। एक्सियाटा ग्रुप बरहाद के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि डायलॉग और एयरटेल श्रीलंका के बीच विलय एक्सियाटा की बाजार समेकन तथा लचीलेपन की रणनीति के अधीन है। डायलॉग एक्सियाटा के 1.7 करोड़ से अधिक और एयरटेल श्रीलंका के 50 लाख से अधिक ग्राहक हैं।

चीन में आयात और निर्यात मेले में वर्लपूल वाशिंग मशीन को देखते हुए लोग। इस मेले में करीब 200 उत्पादों को पेश किया गया।

भारत में डेमलर अगले छह महीने में अपना पहला ई-ट्रक पेश करेगी

- डेमलर ने साल 2023-24 के दौरान भारत में 21,231 वाणिज्यिक वाहन बेचे

नई दिल्ली ।

डेमलर इंडिया कमर्शियल व्हीकल्स (डीआईसीवी) अगले छह से 12 महीने के भीतर भारत में अपना पहला इलेक्ट्रिक ट्रक ई-कैंटर पेश करने की योजना बना रही है। ई-कैंटर की इस शुरुआत के साथ ही जर्मनी की यह कंपनी भारत में हल्के ट्रक वाली श्रेणी में भी प्रवेश करेगी। डीआईसीवी ने एक बयान में कहा इलेक्ट्रिक इस ई-कैंटर की भारत के बाजार में शुरुआत दीर्घावधि में अपने संपूर्ण वाहन पोर्टफोलियो को डीकार्बोनाइज करने की दिशा में उठाया गया कंपनी का पहला कदम है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार डेमलर ने साल 2023-24 के दौरान भारत में 21,231 वाणिज्यिक वाहन बेचे और पिछले साल की तुलना में 23.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। यह देश के कुल वाणिज्यिक वाहन उद्योग में नजर आई वृद्धि से कहीं अधिक थी। भारत में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री पिछले साल के मुकाबले 4.82 प्रतिशत बढ़कर 10.07 लाख हो गई। जर्मनी की यह कंपनी अपने नए ट्रकों और बसों को यूरोप, जापान और अमेरिका में साल 2039 तक और वैश्विक स्तर पर साल 2050 तक कार्बन-न्यूट्रल करने का प्रयास कर रही है। डीआईसीवी पहले ही एक बड़े भारतीय समूह

के साथ गठजोड़ में भारतबेंज हाइड्रोजन फ्यूल सेल कॉन्सेप्ट कोच विकसित कर चुकी है। कंपनी ने कहा भविष्य में डीआईसीवी विभिन्न उपयोगिता श्रेणियों में ट्रक पेश करेगी जो लंबी दूरी, खनन, निर्माण, पीओएल (पेट्रोलियम, तेल और लुब्रिकेंट), डंपर, आरएमसी तथा विभिन्न माल ढुलाई और इलाके की आवश्यकताओं की पूर्ति करेंगे।

गूगल ने फिर की कर्मचारियों की छंटनी

- कुछ कर्मचारी भारत समेत अन्य देशों में भेजे जाएंगे

वाशिंगटन ।

अल्फाबेट के स्वामित्व वाली गूगल फिर अपने कर्मचारियों को कंपनी से बाहर का रास्ता दिखा रही है। गूगल ने बड़े स्तर पर कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। कंपनी के एक प्रवक्ता ने बताया कि लागत में कमी लाने के लिए कर्मचारियों की संख्या में कटौती की जा रही है। उन्होंने कहा कि छंटनी पूरी कंपनी में नहीं की जा रही है। इसलिए इससे प्रभावित कर्मचारी अन्य किसी भूमिका के लिए आवेदन कर सकेंगे। हालांकि, प्रवक्ता ने छंटनी से प्रभावित होने वाले कर्मचारियों की संख्या और इसमें शामिल टीमों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। छंटनी से प्रभावित कुछ लोगों को कंपनी भारत, शिकागो, अटलांटा और डबलिन समेत उन जगहों पर भेजेगी, जहां वह निवेश कर रही है। गौरतलब है, इस साल टेक और मीडिया जगत में कई नौकरियों में कटौती के बाद गूगल में भी यह छंटनी हो रही है, जिससे यह आशंका बढ़ गई है कि छंटनी जारी रह सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार गूगल के रियल एस्टेट और वित्त विभागों की कई टीमों के कर्मचारी इस छंटनी से प्रभावित हुए हैं। प्रभावित वित्त टीमों में गूगल ट्रेजरी, बिजनेस सर्विसेज और रेवेन्यू कैश ऑपरेशन्स शामिल हैं। इतना ही नहीं, गूगल के वित्त प्रमुख रूथ पोराट ने अपने कर्मचारियों को एक ईमेल भेजा है। इसमें कहा गया है कि पुनर्गठन में बंगलुरू, मैक्सिको सिटी और डबलिन में विकास का विस्तार शामिल है। इससे पहले गूगल ने जनवरी में भी अपनी इंजीनियरिंग, हार्डवेयर और सहायक टीमों समेत कई टीमों के सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था, क्योंकि कंपनी ने निवेश बढ़ाते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पेशकश की थी। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कथित तौर पर इस साल की शुरुआत में कर्मचारियों से नौकरियों में कटौती किए जाने को लेकर पहले ही बता दिया था।

यमुना प्राधिकरण की टीम जापान के टोक्यो शहर पहुंची

- मेडिकल डिवाइस पार्क के लिए जुटाएगी निवेश

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश सरकार ग्रेटर नोएडा के यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में मेडिकल डिवाइस पार्क बना रही है। जिसके लिए देश-विदेश की बड़ी-बड़ी कंपनियां निवेश करने में अपनी रु चि ` दिखा रही है। इस दौरान यमुना प्राधिकरण की एक टीम जापान के टोक्यो शहर में पहुंची है। जहां पर मेडटेक शो नाम का एक आयोजन किया जा रहा है, इसमें यमुना प्राधिकरण ने अपना भी स्टॉल लगाया है। जहां पर कई विदेशी कंपनियां मेडिकल डिवाइस पार्क में निवेश करने की इच्छा जाहिर कर चुकी हैं। यमुना प्राधिकरण की यह टीम 20 अप्रैल तक टोक्यो में रहेगी। उत्तर प्रदेश सरकार यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सेक्टर-28 में 350 एकड़ में मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित कर रही है। डिवाइस पार्क में निवेश प्राप्त करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के डेलिगेशन जापान के टोक्यो शहर में आयोजित मेडटेक शो में हिस्सा लेने पहुंचा है। उत्तर प्रदेश सरकार के अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के प्रमुख सचिव एवं अध्यक्ष, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण अनिल कुमार सागर के नेतृत्व में डॉक्टर अरुण वीर सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण तथा सलाहकार संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा जापान में 17 अप्रैल से 20 अप्रैल 2024 तक आयोजित इस मेडटेक में प्रतिभाग किया जा रहा है। इस आयोजन के पहले दिन ही 17 अप्रैल को मेडिकल डिवाइस पार्क के स्टॉल पर जापान की प्रतिष्ठित एवं विश्व प्रसिद्ध कंपनियों के प्रतिनिधियों ने विजिट किया और मेडिकल डिवाइस पार्क के संबंध में जानकारी ली। वरिष्ठ अधिकारियों ने इस मेडिकल डिवाइस पार्क की विशेषताओं एवं उत्तर प्रदेश सरकार या भारत सरकार द्वारा दिए जा रहे हैं इंसेंटिव आदि के संबंध में विजिटर्स को बताया गया। प्राधिकरण के स्टॉल पर जापान की निम्न महत्वपूर्ण कंपनियों व संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारी पहुंचे। जिनमें पोश वेलनेस लेबोरेटरी आईएनसी, शिमाने यूनिवर्सिटी फैकल्टी ऑफ मेडिसिन, डिपार्टमेंट ऑफ इमरजेंसी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन, सौसकु मेडिकल, जापान फेडरेशन ऑफ मेडिकल डिवाइस एसोसिएशन, सिलिकॉन वैली वेंचर, बी डॉट मेडिकल आईएनसी, इंटरनेशनल मेडिकल केयर एक्सचेंज एसोसिएशन और टोयोटा फॉर्म आदि कंपनियों ने निवेश की इच्छा जताई है।

लखनऊ सुपर जाइंट्स और सीएसके के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जाइंट्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में जीत से लय हासिल करना चाहेगी। लीग में अच्छी शुरुआत के बाद पिछले दो मैचों में मिली हार से टीम को झटका लगा है। ऐसे में अब वह घरेलू मैदान में जीत से अपने अभियान को पटरी पर लाना चाहेगी।

वहीं सीएसके टीम के पास पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। धोनी अब कप्तान नहीं है पर टीम की रणनीति के पीछे उनकी भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा अंतिम ओवर में जिस प्रकार मुम्बई इंडियंस के खिलाफ उन्होंने तीन छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी उससे भी अंदाजा होता है कि उनकी फिटनेस अब भी शानदार है। इस मैच में सीएसके की दावेदारी इसलिए भी अधिक मजबूत है क्योंकि उसने अपने पिछले दोनो ही मैच जीते हें जबकि केएल राहुल की लखनऊ टीम को लगातार हार का सामना झेलनी पड़ी है जिससे उसपर दबाव रहेगा। लखनऊ के बल्लेबाज अब तक उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं, ऐसे में सीएके के गेंदबाजों का सामना करना उनके लिए कठिन रहेगा।

सीएसके के पास मथीषा पथिराना जैसा गेंदबाज है जिसे अंतिम ओवरों में खेलना बेहद कठिन रहता है। वहीं मुस्ताफिजुर रहमान की गेंदबाजी में भी काफी विविधता है। इसके अलावा स्पिनर रविंद्र जडेजा भी प्रभावी रहे हैं।

वहीं लखनऊ की गेंदबाजी युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव के चोटिल होने से कमजोर हुई है। टीम के अनुसार मयंक ने अभ्यास शुरु कर दिया है पर अभी उनका खेलना तय नहीं हैं। अगर वह खेलते हैं तो सीएसके के बल्लेबाजों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। स्पिनर रवि बिश्नोई ने भी अब तक काफी अच्छी गेंदबाजी की है। पर विविधता न होने से उन्हें विकेट नहीं मिल पाये हैं। लखनऊ के स्पिनरों के लिए सीएसके के आक्रामक बल्लेबाज शिवम दुबे को रोकना आसान नहीं होगा। शिवम ने अब तक स्पिनरों के खिलाफ काफी आक्रामक बल्लेबाजी की है। इसके

अलावा टीम के पास अजिंक्य रहाणे और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ और डेवोन कॉनवे जैसे बल्लेबाज हैं। बल्लेबाजी में लखनऊ को प्रमुख बल्लेबाज क्विंटोन डिकॉक से रनों की उम्मीदें रहेंगी। वह पिछले तीन मैचों में अधिक रन नहीं बना पाये हैं। 'इंपैक्ट प्लेयर' के नियम के कारण कृणाल पंड्या सातवें नंबर पर उतर रहे हैं और छह मैचों में 41 गेंद ही खेल सके। ऐसे में उन्हें लाभ के लिए ऊपर भेजा जा सकता है। कप्तान राहुल भी अब तक उम्मीद के अनुसार रन नहीं बना पाये हैं। टीम की ओर से निकोलस पूरन ने आक्रामक बल्लेबाजी की है जिसे वह बरकरार रखना चाहेंगे। देवदत्त पडिक्कल के खराब फार्म से टीम की परेशानी बढ़ी है।

टीम

लखनऊ सुपर जाइंट्स - केएल राहुल (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, निकोलस पूरन, आयुष बदोनी, काइल मेयर्स, मार्कस स्टोइनिस, दीपक हुडा, देवदत्त पडिक्कल, रवि बिश्नोई, नवीन उल हक, क्रुणाल पंड्या, युद्धवीर सिंह, प्रेरक मांकड़, यश ठाकुर, अमित मिश्रा, शमर जोसेफ, मयंक यादव, मोहसिन खान, के गौतम, शिवम मावी, अर्शिन कुलकर्णी, एम सिद्धार्थ, एश्टन टर्नर, मैट हेनरी, मोहम्मद अरशद खान।

चेन्नई सुपरकिंग्स - रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र सिंह धोनी, अरावेली अवनीश, डेवोन कॉनवे, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिशेल, रचिन रवींद्र, मिचेल सेंटनर, निशांत सिंधू , दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मुस्तफिजुर रहमान, मथीसा पथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शारदुल ठाकुर, महेश तीक्षणा और समीर रिज्वी।

रोहित बोले, धोनी नहीं कार्तिक को विश्वकप के लिए मनाना होगा आसान

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी कर रहे विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी और दिनेश कार्तिक की जमकर प्रशंसा की है। रोहित ने कहा कि आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए धोनी को वापसी के लिए मनाना संभव नहीं रहेगा क्योंकि वह अब किसी भी हालत में वापस नहीं आयें पर कहा कि कार्तिक को वापसी के लिए मानना आसान होगा। रोहित वानखेड़े स्टेडियम में धोनी की जबरदस्त पारी से प्रभावित हैं जिसमें उन्होंने केवल चार गेंदों पर 20 रन बनाए थे जिसमें लगातार तीन छक्के शामिल थे। वहीं कार्तिक ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए 83 रन बनाये थे। रोहित ने कहा, मैं कार्तिक की बल्लेबाजी से खुश हूं । जिस तरह से उन्होंने बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए आक्रामक बल्लेबाजी की। ऐसे में कार्तिक को विश्वकप के लिए मनाया जा सकता है। । कार्तिक ने आरसीबी की ओर से इस सत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्होंने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में 53 रन बनाए तब रोहित ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि उनके दिमाग में विश्वकप चल रहा है। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अकेले ही 83 रन बनाकर अपनी टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया।

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पांच टी20 मैचों की सीरीज आज से

-पिछली हार का हिसाब बराबर करने उतरेगी पाक टीम

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच 5 मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सीरीज आज से शुरु होगी। इस सीरीज में पाक टीम के पास पिछले न्यूजीलैंड दौरे में मिली हार का हिसाब बराबर करने का अवसर है। इसी साल जनवरी में दोनों टीमों के बीच खेले गए 5 मैचों की टी20 सीरीज में पाकिस्तान को 4-1 से हार का सामना करना पड़ा था। दोनों टीमों ने अपने दल की घोषणा कर दी है। इस सीरीज में पाक की कप्तानी बाबर आजम जबकि न्यूजीलैंड टीम की कप्तानी माइकल ब्रेसवेल कर रहे हैं।

पाक और न्यूजीलैंड के पिछली सीरीज में पाक टीम की कप्तानी तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी कर रहे थे पर अब शाहीन को पीसीबी ने कप्तानी से हटा दिया है। शाहीन की जगह फिर से आजम को कप्तानी दे दी गयी है। इस सीरीज का पहला मैच आज जबकि दूसरा टी20 20 अप्रैल को जबकि तीसरा 21 अप्रैल को खेला जाएगा। वहीं चौथा टी20 मैच 25 अप्रैल को और पांचवां और आखिरी टी20 27 अप्रैल को खेला जाएगा।

आईपीएल 2024 : दिल्ली कैपिटल्स ने अंक तालिका में लगाई लम्बी छलांग, गुजरात को नुकसान

अहमदाबाद (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईपीएल 2024 के मैच में गुजरात टाइटन्स को 6 विकेट से हराकर तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई। गुजरात अपने नेट रन रेट में गिरावट के साथ एक स्थान गिरकर सातवें स्थान पर आ गया। मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स ने ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ संयुक्त रूप से सबसे सफल रन-चेज पूरा किया और स्टैंडिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की। दिल्ली ने गुजरात को हराकर तालिका में लम्बी छलांग लगाई है। इससे पहले दिल्ली 9वें स्थान पर थी लेकिन गुजरात को हराने के बाद उसे तीन पायदान का फायदा हुआ है। वहीं दिल्ली की नेट रन रेट अभी भी माइनस में है। दिल्ली के 7 मैचों में 3 जीत और चार हार के साथ 6 अंक हैं और उसका नेट रन रेट -0.074 है। गुजारत को इस हार से एक पायदान का नुक्सान हुआ जो पहले छठे स्थान पर थी। दिल्ली के हार के बाद अब गुजरात भी 7 मैचों में 3 जीत और 4 हार के बाद 6 अंकों पर है। लेकिन उनकी रेट रन रेट -0.637 से -1.303 हो गई है जिससे वह तालिका में 7वें स्थान पर है। राजस्थान रॉयल्स वर्तमान में सात मैचों में 12 अंकों के साथ आईपीएल 2024 अंक तालिका में शीर्ष पर है, उसके बाद दूसरे स्थान पर कोलकाता नाइट

राइडर्स (8 अंक) और तीसरे स्थान पर चेन्नई सुपर किंग्स (8 अंक) हैं। सनराइजर्स हैदराबाद (8 अंक) चौथे स्थान पर है। इस बीच लखनऊ सुपर जायंट्स (6 अंक) पांचवें, दिल्ली कैपिटल्स छठे, गुजरात टाइटंस सातवें और पंजाब किंग्स (4 अंक) आठवें स्थान पर हैं। मुंबई इंडियंस (4 अंक) नौवें स्थान पर है और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर स्टैंडिंग (2 अंक) में सबसे नीचे है। दिल्ली बनाम गुजरात मैच की बात करें तो 90 रनों का पीछा करते हुए दिल्ली ने 8.5 ओवर में 92/4 रन बनाए जिसमें ऋषभ पंत (16*) और सुमित कुमार (9*) नाबाद रहे। गुजरात के गेंदबाजी विभाग के लिए संदीप वारियर ने दो विकेट लिए। शुरुआत में, मुकेश कुमार के तीन विकेटों की मदद से दिल्ली ने गुजरात को 17/3 ओवर में 89 रन पर आउट कर दिया। राशिद खान 24 गेंदों पर 31 रन की पारी के साथ जीटी के शीर्ष स्कोरर रहे। मैच के बाद बोलते हुए प्लेयर ऑफ द मैच पंत ने कहा, 'खुश होने के लिए बहुत सी चीजें हैं। हमने चैंपियन विचार प्रक्रिया के बारे में बात की और हमारी टीम ने आज दिखाया कि हम उस तरह खेल सकते हैं और यह देखकर वास्तव में खुशी हुई। गेंदबाजी पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से सर्वश्रेष्ठ में से एक, यह टूर्नामेंट की शुरुआत है, ज्यादा कुछ नहीं कह सकता क्योंकि हम व्यक्तिगत रूप से सुधार कर सकते हैं, मैदान पर आने से पहले एकमात्र विचार प्रक्रिया बेहतर तरीके से आना था, जब मैं जा रहा था तो यही एकमात्र विचार था।'

उन्होंने कहा, 'लक्ष्य का पीछा करने से पहले हमारी एकमात्र बातचीत यह थी - चलो इसे जितनी जल्दी हो सके प्राप्त करें, हमने पहले कुछ रन-रेट अंक खो दिए थे और हमने इसे कवर कर लिया। हम सिर्फ अहमदाबाद में रहना पसंद करते हैं, हम स्टेडियम, यहां के माहौल को पसंद करते हैं। हम यहां और अधिक मैच खेलने के लिए उत्सुक हैं। हम एक-एक करके अपनी जीत का आनंद लेना चाहते हैं और उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहते हैं।'

सुपर जॉयंट्स ने मयंक की शीघ्र वापसी के संकेत दिये

मुम्बई (ईएमएस)। अपने पहले ही दो मैचों में आईपीएल इतिहास की सबसे तेज गेंद फेंककर धूम मचाने वाले लखनऊ सुपर जॉयंट्स के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव की टीम में शीघ्र वापसी की उम्मीदें हैं। मयंक चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच नहीं खेल पाये थे। वहीं इस सत्र में अपनी तेज रफ्तार से मयंक ने सभी को अपना प्रशंसक बनाया है। लखनऊ सुपर जॉयंट्स ने अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है। इसमें मयंक को गेंदबाजी करते हुए देखा गया है। वह चोट की वजह से मयंक दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ मुकाबले में नहीं खेल सके. मयंक का जो वीडियो आया है उसमें लिखा है, ' फिर से उड़ चला।' मंयक 7 अप्रैल को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में केवल एक ओवर गेंदबाजी के बाद दर्द के कारण मैदान से बाहर चले गये थे उनके पैर में किसी तरह की समस्या हुई और बाद में उन्हें फिजियो के सहारे ग्राउंड से बाहर जाते हुए देखा गया। उन्हें पीठ के निचले हिस्से में तकलीफ हुई थी. करियर के पहले ही दो आईपीएल मैचों में मयंक ने अपनी तूफानी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया। वह 156.7 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंक चुके हैं। इस आईपीएल में सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड मयंक के नाम है। उन्होंने दूसरे ही मैच में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा। डेब्यू आईपीएल मैच में मयंक ने 155.8 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। मयंक यादव ने पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 3-3 विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इस आईपीएल में अभी तक 9 ओवर की गेंदबाजी की है। जिसमें उनके नाम 6 विकेट हैं।

टी20 विश्वकप के लिए दिनेश कार्तिक ने भी पेश की दावेदारी

मुम्बई। आगामी टी20 विश्वकप के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को भी एक प्रबल दावेदार बताया जा रहा है। आईपीएल के इस सत्र में कार्तिक ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 35 गेंद पर 83 रन की पारी खेली थी। वहीं इससे पहले मुम्बई इंडियंस के खिलाफ इस बल्लेबाज ने 53 रन बनाये थे। तब भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि कार्तिक के दिमाग में टी20 विश्वकप चल रहा है। ऐसे में कोई भी उनकी दावेदारी को खारिज नहीं कर सकता है। कार्तिक आईपीएल 2024 में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में 10वें नंबर पर हैं पर स्ट्राइक रेट के मामले में वह पहले नंबर पर आते हैं। टूर्नामेंट में एक भी ऐसा बल्लेबाज नहीं है, जिसने 150 रन से ज्यादा बनाए हों और उसका स्ट्राइक रेट 200 से ज्यादा हो। दिनेश कार्तिक ने 7 मैच की 6 पारियों में 75.33 की औसत और 205.45 स्ट्राइक रेट से 226 रन बनाए हैं। आईपीएल 2024 में केवल संजू सैमसन ने दिनेश कार्तिक से ज्यादा रन बनाए हैं पर टी20 वर्ल्ड कप में दावेदारी की आती है तो सैमसन की दावेदारी कमजोर पड़ जाती है। इसका कारण ये है कि सैमसन टॉप-3 में बल्लेबाजी करते हैं। भारतीय टीम के पास टॉप-3 के लिए कप्तान रोहित शर्मा समेत कई दावेदार हैं। भारतीय टीम के इस संयोजन में वह विकेटकीपर सबसे ज्यादा फिट होगा जो मध्यक्रम में बल्लेबाजी करता हो। भारतीय टीम संयोजन में इस समय दिनेश कार्तिक के अलावा ऋषभ पंत ही एक बड़े दावेदार हैं। ऋषभ ने आईपीएल 2024 में मिडिलऑर्डर में बल्लेबाजी करते हुए 6 मैच में 32.33 की औसत और 157.72 स्ट्राइक रेट से 194 रन बनाए हैं।

श्रीलंका महिला टीम ने एकदिवसीय मुकाबले में बनाए कई रिकार्ड

पॉचेफ्सट्रूम (एजेंसी)। श्रीलंका महिला और दक्षिण अफ्रीका की टीम के बीच खेले गए एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय मुकाबले में कई रिकार्ड बने। इस मैच को जीतने के साथ ही श्रीलंका पहली ऐसी टीम बन गई है जिसने 300 से अधिक का लक्ष्य पीछा करते हुए हासिल किया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम था। ऑस्ट्रेलिया ने वर्ष 2012 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 289 रन चेज करते हुए ऐसा कारनामा किया था। श्रीलंका का चार विकेट पर 305 और दक्षिण अफ्रीका का पांच विकेट पर 301 का स्कोर महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में चेज के दौरान दोनों टीमों संयुक्त सर्वाधिक स्कोर है। इससे पहले 2017 विश्व कप के दौरान इंग्लैंड के 374 रनों के जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने नौ विकेट पर 305 रन बनाए थे। चमारी अटापट्टू और लॉरा वुल्फार्ट की जोड़ी पुरुष और महिला दोनों के ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय के इतिहास में पहली ऐसी जोड़ी है जिसने एक मैच में 175 से अधिक रनों की पारी खेली है। इन दोनों ने कुल 390 रन

बनाते हुए एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में दो कप्तानों द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रनों के मामले में विराट कोहली और एंजेलो मैथ्यूज को भी पीछे छोड़ दिया है। रांची में वर्ष 2014 में दोनों ने नाबाद 139 रनों की पारी खेली थी। नाबाद 195 का चमारी का यह स्कोर महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में लक्ष्य का पीछा करने का सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर है। इससे पहले यह रिकॉर्ड मेग लानिंग के नाम था जिन्होंने वर्ष 2017 में श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 152 रनों की पारी खेली थी। रन चेज में अब मैक्सवेल नाबाद (201) ही सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर बनाने के मामले में चमारी से आगे हैं। चमारी का यह स्कोर तीसरा सबसे बड़ा नाबाद सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर भी है। वह अब एक से अधिक बार 175 से अधिक का स्कोर बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी भी हैं। श्रीलंका की महिला टीम ने एकदिवसीय मैच में अब तक कुल 9 शतक लगे हैं और यह सभी शतक चमारी के बल्ले से आए हैं। अब तक केवल दो ही महिला खिलाड़ियों ने एकदिवसीय में चमारी से अधिक शतक लगाए हैं। नाबाद (184) का वुल्फाट का यह स्कोर महिला एकदिवसीय इतिहास का पांचवां सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है जबकि यह अब हारने वाली टीम की ओर से बनाया गया सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर भी है। इससे पहले चमारी ने वर्ष 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 178 रनों की पारी खेली थी। हालांकि उस मैच में उनकी टीम हार गई थी। चमारी और नीलाक्षिका सिल्वा के बीच अविजित 179 रनों साझेदारी महिला एकदिवसीय में पांचवें या उससे नीचे के विकेट के लिए दूसरी बड़ी साझेदारी है। यह श्रीलंका महिला टीम के लिए एकदिवसीय में दूसरी बड़ी साझेदारी भी है। इससे पहले वर्ष 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ इन्हीं दोनों खिलाड़ियों ने तीसरे विकेट के लिए नाबाद 190 रनों की साझेदारी बनाई थी।

चैम्पियंस लीग : मैनचेस्टर सिटी को हराकर रीयाल मैड्रिड सेमीफाइनल्स में पहुंची

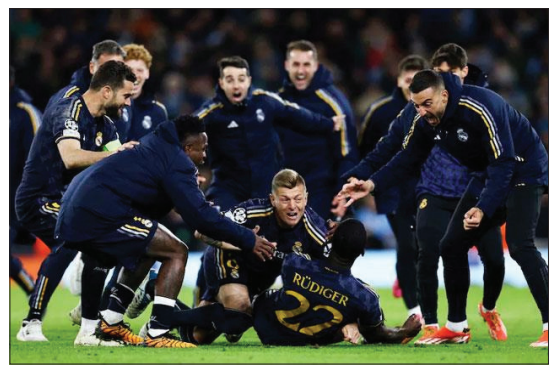

मैनचेस्टर । रीयाल मैड्रिड ने मैनचेस्टर सिटी को पेनल्टी शूटआउट में 4.3 से हराकर चैम्पियंस लीग फुटबॉल के सेमीफाइनल्स में प्रवेश कर लिया। इसके साथ ही रीयाल मैड्रिड ने रिकॉर्ड 15वां खिताब जीतने की दिशा में अगला कदम रख दिया। इस हार के साथ ही सिटी का लगातार दो चैम्पियंस लीग खिताब जीतने वाली पहली इंग्लिश टीम बनने का सपना भी टूट गया। निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर था। मैड्रिड के लिए रौड्रिगो ने 12वें मिनट में गोल किया जिसे 76वें मिनट में केविन डि ब्रूनी ने उतार दिया था। अब सेमीफाइनल्स में मैड्रिड का सामना बायर्न म्युनिख से होगा जिसने आर्सनल को 1.0 से और औसत के आधार पर 3.2 से हराया।

आईपीएल 2024 : चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा झटका, डेवोन कॉन्वे चोट के चलते टूर्नामेंट से हुए बाहर

नई दिल्ली । आईपीएल की सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, टीम के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे आईपीएल 2024 से बाहर हो गए हैं। चोट के चलते कॉन्वे सीजन का एक भी मैच सीएसके के लिए नहीं खेल पाए। सीएसके ने कॉन्वे के रिप्लेसमेंट के रूप में इंग्लैंड के रिचर्ड ग्लीसन को स्क्वॉड में शामिल किया है। आईपीएल द्वारा प्रेस रिलीज जारी की गई, जिसके अनुसार डेवोन कॉन्वे चोट के कारण टाटा आईपीएल 2024 से बाहर हो गए हैं। पिछले दो आईपीएल सीजन के दौरान सीएसके का प्रतिनिधित्व करने वाले कॉन्वे ने 23 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 924 रन बनाए हैं। इसमें 9 फिफ्टी और 92 नाबाद उच्चतम स्कोर शामिल है। प्रेस रिलीज में आगे लिखा है कि, सीएसके ने टाटा आईपीएल 2024 के शेष मैच के लिए रिचर्ड ग्लीसन को टीम में शामिल किया है। ग्लीसन ने 6 टी20 में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया है और उनके नाम 9 विकेट हैं। इसके अलावा ग्लीसन ने 90 टी20 खेले हैं और 101 टी20 विकेट चटकाए हैं। उन्हें 50 लाख रुपये की बेस प्राइस के साथ टीम में शामिल किया गया है।

पहलवान साक्षी मलिक को 'टाइम' पत्रिका ने 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में किया शामिल

नयी दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता भारतीय पहलवान साक्षी मलिक को 'टाइम' पत्रिका ने 2024 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में शामिल किया है। कुश्ती में भारत की एकमात्र महिला ओलंपिक पदक विजेता साक्षी को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह द्वारा महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ उनकी लड़ाई के लिए इस सूची में जगह दी गयी है। सूची में अन्य भारतीयों में अभिनेत्री आलिया भट्ट, इंडो-ब्रिटिश अभिनेता देव पटेल और माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्या नडेला शामिल हैं। साक्षी ने दो बार की विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता विनेश फोगाट और तोक्यो ओलंपिक के कांस्य विजेता बजरंग पूनिया के साथ यहां जंतर-मंतर पर बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। इन्होंने देश की महिला पहलवानों को डराने धमकाने और कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के लिए उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। विरोध प्रदर्शन पिछले साल जनवरी में शुरू हुआ। इसके बाद सिंह के खिलाफ यह लड़ाई एक साल तक चली। सिंह के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया था लेकिन वह आरोपों से इनकार करते रहे हैं। साक्षी ने उस आंदोलन के बारे में कहा, ''यह लड़ाई अब सिर्फ भारत की महिला पहलवानों के लिए नहीं है। यह भारत की बेटियों के लिए है जिनकी आवाज़ बार बार दबा दी गई।'' सिंह के पद छोड़ने के कुछ ही समय बाद उनके करीबी सहयोगी और व्यवसायिक साझीदार संजय सिंह को डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष चुना गया। संजय सिंह ने जिस दिन डब्ल्यूएफआई की कमान संभाली, उसी दिन साक्षी ने कुश्ती से संन्यास लेने का फैसला कर लिया।

एथलेटिक्स में भारत को लगा झटका, घुटने की चोट के कारण श्रीशंकर ओलंपिक से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबी कूद के दिग्गज खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ट्रेनिंग के दौरान घुटने की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गए हैं और उन्हें सर्जरी करानी पड़ेगी जिसके कारण वह पूरे 2024 सत्र में नहीं खेल पाएंगे। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने 2023 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 8.37 मीटर के प्रयास से रजत पदक जीतते हुए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था।

इस 25 वर्षीय खिलाड़ी को शंघाई/सुझोउ और दोहा में क्रमशः 27 अप्रैल और 10 मई को लगातार दो डाइमंड लीग प्रतियोगिता के साथ अपने सत्र की शुरुआत करनी थी लेकिन मंगलवार को ट्रेनिंग के दौरान उन्हें चोट लगी और उनका ओलंपिक में हिस्सा लेने का सपना टूट गया। श्रीशंकर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'दुर्भाग्य से यह बुरे सपने की तरह लगता है लेकिन यह हकीकत है, मेरा पेरिस ओलंपिक का सपना टूट गया है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे मंगलवार को ट्रेनिंग के दौरान घुटने की चोट लगी और परीक्षण तथा परामर्श के बाद, यह फैसला किया गया कि मुझे सर्जरी कराने की जरूरत होगी।' श्रीशंकर ने कहा, 'अपने पूरे जीवन में, मेरे अंदर प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने का साहस रहा है, उन स्थितियों को स्वीकार करना जिसे मैं बदल नहीं सकता। उन चीजोंमें सकारात्मक नतीजा हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करना जहां मैं कर सकता हूं।'

पिछले साल जून में श्रीशंकर तीसरे स्थान पर रहकर डाइमंड लीग प्रतियोगिता में शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले तीसरे भारतीय बने थे। हालांकि वह बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग दौर से बाहर होने से निराश थे लेकिन हांगझोउ में एशियाई खेलों में रजत पदक जीतकर जोरदार वापसी की। श्रीशंकर ने कहा, 'जिंदगी अजीब पटकथाएं लिखती है और कभी-कभी इसे स्वीकार करने और आगे बढ़ने में साहस होता है। मैं यही करूंगा।'

उन्होंने कहा, 'मेरी वापसी का सफर उसी क्षण शुरू हो गया जब मेरे घुटने में चोट लगी। यह रास्ता लंबा, कठिन होने वाला है और मेरे से बहुत कुछ छीन लेगा।' बॉस्केटबॉल के दिग्गज कोबे ब्रायंट को अपना आदर्श मानने वाले श्रीशंकर ने कहा, 'अच्छी बात यह है कि मेरे पास देने के लिए बहुत कुछ है। मैं इससे निपट लूंगा क्योंकि मांबा मानसिकता का यही मतलब है।'

शब्द 'माम्बा मानसिकता' लॉस एंजिल्स लेकर्स स्टार की जीवन और प्रतिस्पर्धा के प्रति मानसिकता और सकारात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऐसे मुस्कुराएगी गर्मियों में स्किन...

जी हां, गर्मियां जोर पकड़ रही हैं। घर से बाहर निकलना मानों मुसीबत को न्यौता देने हो गया है। गर्मियों में स्किन काफी नाजुक और सेंसिटिव हो जाती है। सूरज की तीखी किरणें, नमी की कमी व धूल-मिट्टी स्किन की रंगत कम कर देते हैं। आपकी खूबसूरत स्किन कैसे मौसम के इन थपेड़ों को सहने के बावजूद मुस्कुरा सकते हैं। जैसी स्किन, वैसी केयर। चेहरे की स्किन भी कई तरह की होती है इसलिए केयर के तरीके भी बदल जाते हैं।

नॉर्मल स्किन

ऐसी स्किन वालों का चेहरा काफी फ्रेश दिखता है। इस प्रकार की स्किन न तो ऑयली होती है और न ड्राई। ऐसी स्किन पर अगर कम मेकअप करें तो बेहतर होगा। अगर ऐसा न कर सकें तो कम से कम हफ्ते में एक दिन मेकअप फ्री रहें।

नॉर्मल स्किन की देखभाल

- नॉर्मल स्किन को हमेशा माइल्ड सोप (जैसे कि जॉनसन बेबी शॉप, डव, पीयर्स आदि) या फेशवॉश से साफ करें।
- चेहरे को धोते वक्त पानी का ज्यादा इस्तेमाल करें।
- चेहरे की सफाई के लिए उसे धोने से पहले .लींजिंग लोशन या क्रीम लगाकर रुई से पोछें। जब भी बाहर से आएं तो चेहरे को साफ जरूर करें।
- जब मेकअप करें तो उसे सोने से पहले रिमूव जरूर करें।
- सर्दियों में और गर्मियों में नॉर्मल स्किन के लिए माकूल मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें। आमतौर पर नॉर्मल स्किन के लिए ढेर सारे मॉइश्चराइजर आसानी से मिल जाते हैं।

घरेलू नुस्खे

- तरबूज, कद्दू, खीरा और खरबूजे के बीज बराबर मात्रा में लेकर दूध में बारीक पीस लें और इसे मलाई के साथ फेस पर लगाएं। एक घंटे बाद धो दें।
- सरसों को बारीक पीस कर दूध या पानी में लेई-सी बना लें। इसके रोज लगाने से रंगत निखरती है।
- नहाते वक्त पानी में एक चम्मच जैतून का तेल मिला देने से स्किन मुलायम होती है।

ऑइली स्किन

ऑइली स्किन देखने में ऐसी लगती है जैसे चेहरे पर तेल लगाया हुआ हो। ऐसी स्किन को धोने के थोड़ी देर बाद तेल निकल आता है। इस तरह की स्किन पर लगया गया मेकअप जल्दी खराब हो जाता है। ऐसी स्किन पर तिल, मुहांसे और फुंसियां निकलने की आशंका ज्यादा रहती है। ऐसी स्किन को खास ख्याल की जरूरत होती है। किशोरावस्था में ऐसी स्किन में कुछ ज्यादा ही चिकनाहट नजर आती है, जो उम्र बढ़ने के साथ-साथ कम हो जाती है।

ऑयली स्किन की देखभाल

- फेस को कम से कम दिन में चार-पांच बाद धोएं।
- उसी मेकअप का इस्तेमाल करें जो खासतौर पर ऑइली स्किन के लिए बनाया गया हो।
- ऐसी स्किन पर फेस-मास्क और पैक वही लगाएं, जो ऑइली स्किन के लिए ही बने हैं।
- अधिक मात्रा में चीनी, अधिक मसालेदार और ऑयली खाना न खाएं।
- मेकअप से पहले चेहरे पर ऐस्ट्रिनजेंट लगाएं।

घरेलू नुस्खे

- एक चम्मच शहद में अंडे की सफेदी मिलाकर अपने चेहरे और गर्दन पर मलें। 10-15 मिनट बाद धो लें।
- दो चम्मच पपीते का गूदा, 10 बूंद नीबू के रस को डालकर अच्छी तरह मसलें। इसे चेहरे पर लगाएं। सूखने के बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें।
- मटर के दानों को छाया में सुखा कर पीस लें और शीशी में भरकर रखें। दो चमच गुलाब जल में एक चम्मच मटर पाउडर मिलाकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं।जब यह सूख जाए तो ठंडे पानी से धो लें। ऐसा हफ्ते में दो बार करने स्किन में ऑयल कुछ कम होता है।
- संतरा, माल्टा, तरबूज या पपीता इन सबका रस चेहरे पर लगाएं। इनमें से किसी का भी रस 10-15 मिनट लगा कर रखें और बाद में चेहरा धो लें। इससे स्किन पोर्स खुल जाएंगे और खून का दौरा बढ़ेगा।

ड्राई स्किन

ऐसी स्किन पर खुश्की की वजह से सफेद-सफेद दाग निकलने लगते हैं। सही देखभाल की कमी से ऐसी स्किन वाले वक्त से पहले ही बूढ़े नजर आने लगते हैं। ड्राई स्किन पर मौसम का असर फौरन होता है। तेज हवा, धूप और ठंडे पानी से ऐसी स्किन को बचाना चाहिए। इस तरह की स्किन को ठंडे पानी से कम धोना चाहिए और साबुन का इस्तेमाल भी कम करना चाहिए। ड्राई स्किन पर मॉइश्चराइजिंग क्रीम गर्दन और शरीर के उन भागों पर भी लगाएं, जो दिनभर खुले रहते हैं।

ड्राई स्किन की देखभाल

- साबुन का इस्तेमाल न करें, वरना स्किन और सूखी हो जाएगी।
- बहुत देर एयर कंडिशनर और रूम हीटर का इस्तेमाल न करें।
- अधिक देर तक सूरज के सामने बैठना स्किन को सूखा और बेजान बनाता है।
- अल्कोहल वाले स्किन लोशन का इस्तेमाल न करें।

घरेलू उपाय

- हफ्ते में एक बार चेहरे की मालिश जरूर करें।
- हफ्ते में एक बार खरबूजे के रस से चेहरे को धोएं।
- स्किन साफ करने या मेकअप रिमूव करने के बाद स्किन टॉनिक जरूर लगाएं।
- मेकअप से पहले मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें।
- चेहरे को .लीजिंग मिल्क से साफ करें और ऐस्ट्रिनजेंट लोशन का इस्तेमाल न करें।
- ज्यादा ड्राई स्किन के लिए मिल्क सोप का इस्तेमाल करें और कोल्ड क्रीम जरूर लगाएं।

ड्राई स्किन के लिए उबटन

- एक चम्मच बादाम रोगन में 10 चम्मच ठंडा कच्चा दूध और एक चम्मच चीनी मिलाकर रुई के फाहे से पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 15 मिनट बाद चेहरा पानी से धो लें।
- एक अंडे की जर्दी (पीला हिस्सा) में 2 चम्मच संतरे का रस मिलाएं, पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं। 30- 35 मिनट बाद चेहरा धो दें।
- 50 ग्राम सोयाबीन या मसूर की दाल को रात भर भिगोकर रखें। सुबह छिलका उतार कर बारीक पीसिए। उसमें थोड़ा सा कच्चा दूध और 4-5 बूंदें बादाम रोगन की डालें। पेस्ट बनाकर फेस पर लगाएं। सूखने के बाद ताजे पानी से धो लें। यह पेस्ट अगली बार इस्तेमाल करने के लिए फ्रिज में रख सकते हैं।
- एक चम्मच बेसन, 1 चुटकी हल्दी, आधा चम्मच शहद और आधा चम्मच जैतून का तेल मिलाकर चेहरे पर लगाने से ड्राई स्किन में चमक आने लगती है।
- एक छोटा चम्मच बारीक पिसी हुई मुल्तानी मिट्टी में एक छोटा चम्मच गुलाब जल और .लीजिंग मिल्क मिलाकर पेस्ट तैयार करें और चेहरे पर लगाएं। 15-20 मिनट बाद चेहरा गुनगुने पानी से धो लें।
- चेहरे की स्किन अगर लू लगने से खुश्क हो गई है तो एक कप पानी में एक चम्मच मख्खन डालकर गरम करें और चेहरे पर रुई के फाहे से लगाएं। ऐसा 10- 15 मिनट करें। फिर चेहरा सूखी रुई से पोंछ लें।

ऊर्जा का भंडार

केला

भारत में केला हर जगह पाया जाता है और इसकी सबसे अच्छी किस्में भारत में ही होती हैं 7 भले ही रोज एक सेब खाने से आप डॉक्टर के पास जाने से बच सकते हैं, लेकिन केला खाने से आप अपनी पूरी जिन्दगी स्वस्थ्य रह सकते हैं। रिसर्च के मुताबिक केला आपको कई बीमारियों से बचा सकता है।

तो आइए जानते हैं केला खाने का स्वास्थ्य लाभ -

1 - केला खिलाड़ियों का प्रिय फल है क्योंकि यह तुरंत एनर्जी प्रदान करता है। सुबह नाश्ते में केला खाने से ऊर्जा बढती है और सूकरोज़, फ्रक्टोज़ और ग्लूकोज जैसे पोषक तत्व भी मिलते हैं। यदि आप दिन भर भूखे प्यासे रहते हैं, तो केवल केला ही खा लें देखिये अन्य फल के मुकाबले केले से तुरंत एनर्जी मिलेगी।

2- केले में प्रोटीन पाया जाता है, जो कि दिमाग को आराम देता है इसलिए डिप्रेशन दूर करने में सहायक है 7

3- दूध के साथ केला और शहद मिला कर पीने से अनिद्रा की समस्या दूर हो जाती है।

4- केले में रेशा पाया जाता है, जिससे पाचन क्रिया मजबूत बनती है। गैस्ट्रिक व कब्ज़ की बीमारी वाले लोंगो के लिये केला बहुत प्रभावशाली उपचार है। अक्सर यात्रा के दौरान कब्ज की शिकायत हो जाती है। इसको दूर करने के लिये केला एक अच्छा विकल्प है 7

5- केला शरीर के खून में हीमोग्लोबिन को बढाता है। जिससे एनीमिया की शिकायत दूर हो जाती है।वे लोग जो एनीमिया से प्रभावित हैं, उन्हें अपने भोजन में केला शामिल करना चाहिये।

6 - केले में पोटैशियम पाया जाता है, जो उच्चरक्तचाप के रोगियों के लिए विशेष लाभकारी होता है7 केला खाने से उच्चरक्तचाप सामान्य बना रहता है 7

7- दो केले लगभग 100 ग्राम दही के साथ सेवन करने से दस्त व पेचिश में लाभ होता है 7

8 - केले पर चीनी और इलायची डालकर खाने से खट्टी डकारें आनी बंद हो जाती हैं।

स्वादिष्ट कसूंदी का उठाएं जायका

कसूंदी सॉस खाने में बेहद स्वादिष्ट व चटपटी लगती है। इसे आप पकौड़ों, पिज़्ज़ा, सैंडविच या किसी भी स्नैक्स के साथ खा सकते हैं। कसूंदी बनाना बेहद आसान है और इसे बनाने में ज्यादा समय भी नहीं लगता। तो आइये आज कसूंदी बना लेते हैं।

आवश्यक सामग्री-

राई (काली सरसों) - 2 टेबल स्पून
पीली सरसों - 2 टेबल स्पून
कच्चे आम - 2 या 300 ग्राम (मीडियम आकार के)
अदरक - 2 इंच लंबा टुकड़ा
हरी मिर्च - 4-5
लाल मिर्च - 1/2 छोटी चम्मच
जीरा - 1 छोटी चम्मच
धनिया पाउडर - 2 छोटी चम्मच
चीनी - 1 छोटी चम्मच
सरसों का तेल - आधा कप
हींग - 1/4 छोटी चम्मच से कम
हल्दी पाउडर - 1 छोटी चम्मच
सिरका - एक चौथाई कप
नमक - 2 छोटी चम्मच (स्वादानुसार)

विधि-

आम को धोकर छीलिये और गूदा निकाल कर काट लीजिये, राई और पीली सरसों को अच्छी तरह से साफ कर लीजिये, हरी मिर्च के डंठल हटा कर मिर्चों को धो लीजिये और अदरक को छील कर धोकर उसके टुकड़े कर लीजिये।

मिक्सर में राई, पीली सरसों, आम का गूदा, हरी मिर्च, अदरक के टुकड़े, जीरा, धनिया पाउडर, हींग, हल्दी पाउडर व चीनी डालकर बारीक पीस लीजिये और यदि ये मसाले पीसते समय पानी की आवश्यकता लग रही हो तो 1-2 टेबल स्पून पानी मिलाकर सभी मसालों को अच्छी तरह पीस लीजिये।

अब कढ़ाई में तेल गर्म कीजिये और उसमें पिसे हुए मसाले डालकर धीमी गैस पर 3-4 मिनट तक अच्छी तरह भूनिये। जब मसालों से भुनने की महक आने लगे तो गैस बंद कर दीजिये और मसालों के इस मिश्रण में सिरका व नमक मिलाकर इसे किसी कांच के कंटेनर में भर कर धूप में रख दीजिये। 3-4 दिन बाद जब आप देखें कि कसूंदी के ऊपर तेल तैरने लगा है तो समझ लीजिये कि कसूंदी खाने के लिये तैयार है। अब इसे आप गरमा गरम पालक या गोभी आलू के पकौड़ों के साथ परोस कर खाइये और बची हुई कसूंदी को फ्रिज में रखकर 6 महिने तक कभी भी खाइये।

सुझाव - कसुंदी को कांच के कंटेनर में भरने से पहले उस कंटेनर को उबलते हुए पानी से अच्छी तरह धोकर सुखालें ताकि कसूंदी जल्दी खराब न हो और ज्यादा दिन तक चल सके।

तरावट लाए तरबूज का शरबत

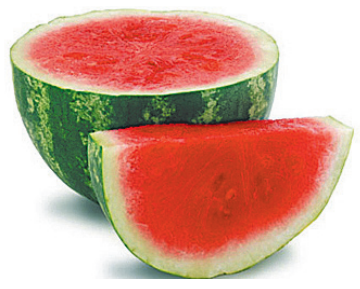

तरबूज का शरबत बहुत ही स्वादिष्ट होता है। यह हमें चिपचिपी गर्मी, धूप, लू, उमस, आदि में ठंडक देने का काम करता है। उत्तर भारत में तो लोग इसके बारे में कम ही जानते हैं, लेकिन मुंबई में यह हर जगह मिलता है और लोग इसे बहुत पसंद भी करते हैं। तो आइये आज हम भी मुंबई का मशहूर तरबूज का शरबत बनाते हैं।

आवश्यक सामग्री-

5 गिलास शरबत बनाने के लिये-

तरबूज - 2- 2.1/2 किग्रा.

नींबू - 1

बर्फ के क्यूब्स - 1 कप

विधि-

तरबूज का शरबत बनाने के लिये सबसे पहले तरबूज को धोकर काटिये और फिर इसके मोटे हरे भाग को काट कर अलग कर दीजिये। अब लाल वाले भाग को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर मिक्सी में पीस लीजिये। थोड़ी देर बाद जब तरबूज का गूदा और रस

बिल्कुल घुल जाए तब इस जूस को छलनी में छान लीजिये।

अब इस जूस में नींबू निचोड़ कर अच्छे से मिलाइये और फिर इसे गिलासों में डाल दीजिये। ठंडा करने के लिये इसमें अपने अनुसार बर्फ डाल दीजिये और चाहें तो गिलास में शरबत के ऊपर 1-2 पोदीने की पत्तियाँ भी सजा दीजिये (यदि आप को इसमें मीठा कम लग रहा हो तो आप अपने स्वादानुसार इसमें चीनी मिला कर इसे और अधिक मीठा भी कर सकते हैं, लेकिन चीनी मिलाने के बाद यह जूस अपना वास्तविक स्वाद खो देता है)।

ठंडा-ठंडा तरबूज का शरबत तैयार है। अब इसे जितना मर्जी पीजिये और घर में सभी को पिलाइये।

यकीन मानिये इस शरबत को पीने के बाद आप बाजार में बिकने वाले बनाबटी रंग और स्वाद वाली रंगीन पानी की बोतलों को छुएंगे भी नहीं

जानिये आलू की खासियतें

भारत और विश्व में आलू विख्यात है और अधिक उपजाया जाता है7 आलू को हमेशा छिलके समेत पकाना चाहिए क्योंकि आलू का सबसे अधिक पौष्टिक भाग छिलके के एकदम नीचे होता है, जो प्रोटीन और खनिज से भरपूर होता है। आलू में स्टॉर्च, पोटाश और विटामिन ए व डी होता है।

यह अन्य सब्जियों के मुकाबले सस्ता मिलता है लेकिन है गुणों से भरपूर 7 आलू से मोटापा नहीं बढ़ता7 आलू को तलकर तीखे मसाले, घी आदि लगाकर खाने से

जो चिकनाई पेट में जाती है, वह चिकनाई मोटापा बढ़ाती है7 आलू को उबालकर अथवा गर्म रेत या राख में भूनकर खाना लाभदायक और निरापद है।

- आलू में विटामिन बहुत होता है।
- आलू को छिलके सहित गरम राख में भूनकर खाना सबसे अधिक गुणकारी है।
- भुना हुआ आलू पुरानी कब्ज और अंतड़ियों की सड़ांध दूर करता है7 आलू में पोटेशियम साल्ट होता है जो अम्लपित्त को रोकता है।
- चार आलू सेंक लें और फिर उनका छिलका उतार कर नमक, मिर्च डालकर नित्य खाएं। इससे गठिया ठीक हो जाता है।

हरा भाग खतरनाक

आलू के हरे भाग में सोलेनाइन विषैला पदार्थ होता है, जो शरीर के लिए नुकसानदायक होता है। आलू के अंकुरित हिस्से का भी प्रयोग नहीं करना चाहिए।

आलुओं में प्रोटीन होता है, सूखे आलू में 8 .5 प्रतिशत प्रोटीन होता है।

- आलू का प्रोटीन बूढ़ों के लिए बहुत ही शक्ति देने वाला और बुढ़ापे की कमजोरी दूर करने वाला होता है। आलू में कैल्शियम, लोहा, विटामिन-बी तथा फास्फोरस बहुतायत में होता है।
- आलू खाते रहने से रक्त वाहिनियां बड़ी आयु तक लचकदार बनी रहती हैं तथा कठोर नहीं होने पातीं।
- इसको छिलके सहित पानी में उबालें और गल जाने पर खाएं। यदि दो-तीन आलू उबालकर छिलके सहित थोड़े से दही के साथ खा लिए जाएं तो ये एक संपूर्ण आहार का काम करते हैं।
- आलू के छिलके ज्यादातर फेंक दिए जाते हैं, जबकि अच्छी तरफ साफ़ किये छिलके सहित आलू खाने से ज्यादा शक्ति मिलती है।

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी फटा, एक के बाद एक 5 धमाके हुए

जकार्ता । इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप के उत्तरी किनारे पर एक ज्वालामुखी फटा है। ज्वालामुखी फटने के बाद पिछले 24 घंटों में कम से कम पांच बड़े विस्फोट हुए हैं। रुआंग पर्वत पर विस्फोट के बाद हजारों फीट ऊंची राख की गुबार देखी गई थी। परिवहन मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि इंडोनेशिया ने रात भर ज्वालामुखी विस्फोट के कारण उत्तरी सुलावेसी के मनाडो में सैम रतुलंगी हवाई अड्डे को बंद कर दिया। मंत्रालय ने कहा कि हवाईअड्डा गुरुवार शाम तक बंद रहेगा और अब तक नौ उड़ानें प्रभावित हुई हैं। वहीं बार-बार हो रहे विस्फोट के बाद अधिकारियों ने ज्वालामुखी चेतावनी को उच्चतम स्तर तक बढ़ा दिया है।बता दें कि साल 2018 में, इंडोनेशिया के अनाक क्राकाटाऊ ज्वालामुखी के विस्फोट के कारण पहाड़ के कुछ हिस्से समुद्र में गिरने के बाद सुमात्रा और जावा के तटों पर सुनामी आई थी जिसमें 430 लोग मारे गए थे। जिसके बाद इंडोनेशियाई अधिकारियों ने सुनामी की चेतावनी जारी की। अधिकारियों ने 11 हजार से ज्यादा लोगों को इलाका छोड़ने का निर्देश दिया गया है। इंडोनेशिया के अधिकारियों ने रुआंग ज्वालामुखी में विस्फोट से बड़े क्षेत्र में राख फैलने के बाद बुधवार को सुनामी का अलर्ट जारी किया। इंडोनेशिया ज्वालामुखी विज्ञान और भूवैज्ञानिक आपदा न्यूनीकरण केंद्र ने कहा कि सुलावेसी द्वीप के उत्तर में स्थित ज्वालामुखी में बीते 24 घंटे के दौरान कम से कम पांच बड़े विस्फोट हुए हैं।

सशस्त्र विद्रोहियों ने गांव में हमला कर 14 नागरिकों की हत्या की

जेनेवा । संयुक्त राष्ट्र, सशस्त्र विद्रोहियों ने मध्य अफ्रीका गणराज्य (सीएआर) में दक्षिणी मबोमौ प्रांत के एक गांव में हमला कर 14 नागरिकों की हत्या कर दी। हमले में कई लोग घायल हुए हैं और विद्रोहियों ने घरों में आग लगा दी गयी। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संरा कार्यालय (ओसीएचए) ने स्थानीय अधिकारियों का हवाला देकर कहा कि यूपीसी विद्रोही समूह के सदस्यों ने बाकौमा शहर से लगभग 30 किलोमीटर दूर कोलोगोटा गांव पर हमला किया। ओसीएचए ने कहा, इस हमले में कई लोग घायल हुए हैं और कई घर जला दिए गए हैं। यह नरसंहार कथित तौर पर इसलिए किया गया, क्योंकि सशस्त्र समूह को ग्रामीणों पर मध्य अफ्रीकी सशस्त्र बलों के साथ सहयोग करने का संदेह था। उलेखनीय है कि सशस्त्र समूह के सदस्यों ने दो अप्रैल को पश्चिमोत्तर प्रांत ऊहाम-पेंडे में बोहोंग के पास कम से कम 20 नागरिकों की हत्या कर दी थी और कई घर जला दिए गए थे।

सिडनी में फिर खुल गया शॉपिंग मॉल... पाकिस्तानी नागरिक को नागरिकता देने पर विचार

सिडनी । सिडनी शहर का वह शॉपिंग मॉल को आम जनता के लिए फिर से खुल गया जहां चाकू से हमले की घटना में छह लोग मारे गए थे। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने पाकिस्तान के उस प्रवासी सुरक्षाकर्मी को नागरिकता देने पर विचार करने की बात कही है, जो हमलावर का मुकाबला करने के दौरान घायल हो गया था। प्रधानमंत्री अल्बानीज ने हमले में बीच बचाव करने वाले लोगों की प्रशंसा की जिसमें सुरक्षाकर्मी मोहम्मद ताहा भी शामिल है। हमले में ताहा के पेट में चाकू मारा गया था। ताहा पाकिस्तान से है और अस्थायी वीजा पर ऑस्ट्रेलिया में काम रहा है। उसके वीजा की अवधि कुछ ही हफ्तों में खत्म होने वाली है। अल्बानीज ने कहा कि उनकी सरकार ताहा को नागरिकता देने पर विचार करेगी। वेस्टफील्ड बॉन्डी जंक्शन मॉल फिर से खुल गया लेकिन ''सामुदायिक चिंतन दिवस'' पर दुकानें बंद रहेगी। ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े शॉपिंग मॉल में से एक में कारोबार शुक्रवार को फिर से शुरू होगा तथा सुरक्षा के और कड़े बंदोबस्त किए जाएंगे।

अमेरिका में अवैध तरीके से प्रवेश करने वाले भारतीय नागरिक की मौत

-जसपाल को अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर गिरफ्तार किया था

वाशिगटन। अमेरिका में अवैध तरीके से प्रवेश करने वाले एक भारतीय नागरिक की अस्पताल में मौत हो गई। उसे भारत भारत भेजा जाना था। यह जानकारी अमेरिका के संघीय अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अमेरिकी प्रवासन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास को 57 वर्षीय जसपाल सिंह की मौत के बारे में जानकारी दे दी गई है। उसके घर वालों को भी की सूचना दे दी गई है। आईसीई ने बताया कि 15 अप्रैल को अटलांटा के एक अस्पताल में जसपाल सिंह की मौत हो गई। भारतीय नागरिक जसपाल ने 25 अक्टूबर 1992 में कानूनी तरीके से अमेरिका में प्रवेश किया था। 21 जनवरी 1998 को एक आव्रजन न्यायाधीश ने सिंह को अमेरिका से जाने का आदेश दिया इसके बाद सिंह स्वेच्छा से भारत लौट आया था। जसपाल सिंह ने 29 जून 2023 को दोबारा अमेरिका में अवैध तरीके से प्रवेश करने की कोशिश की लेकिन अधिकारियों ने उसे अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर गिरफ्तार कर लिया था। जसपाल को गिरफ्तार करने के बाद उसे अटलांटा के प्रवर्तन और निष्कासन संचालन (ईआरओ) को सौंप दिया गया था। जहां से उसे अटलांटा के एक हिरासत केंद्र में रखा गया था। अमेरिका में जब ऐसे किसी व्यक्ति की हिरासत केंद्र में मौत होती है जो वहां का नागरिक नहीं है तो ईआरओ को दो दिन के अंदर संसद, गैर-सरकारी संगठन, मीडिया को इसकी सूचना देनी होती है साथ ही अपनी वेबसाइट में उस व्यक्ति से जुड़े विवरण साझा करने होते हैं।

पाकिस्तानी सेना ने घुसपैठ कर रहे सात आतंकियों को किया ढेर

करांची। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने अफगानिस्तान से लगी सीमा से अशांत खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे सात आतंकवादियों को को मार गिराया। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा ने कहा कि सुरक्षा बलों ने उत्तरी वजीरिस्तान के कबायली इलाके गुलाम खान के स्पिंकई इलाके में पाक-अफगान सीमा के पास सात आतंकवादियों की हलचल देखी गई। उसके बाद पाकिस्तानी सेना घुसपैठियों को घेर लिया तो दोनों और से गोलियां चलनी शुरु होगी और मुठभेड़ के दौरान सभी सात आतंकी मारे गए। मारे गए आतंकियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद हुई है। पाकिस्तान लगातार तालिबान के नेतृत्व वाली अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार से सीमा पर प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए कहता रहा है।

उ.कोरिया के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में व्यवस्था बदलने में जुटे अमेरिका और उसके सहयोगी

जेनेवा । अमेरिका और उसके सहयोगी देश उत्तर कोरिया के परमाणु शस्त्र कार्यक्रम को लेकर उस पर नजर रखने के लिए एक नई प्रणाली बनाने के वास्ते संयुक्त राष्ट्र की व्यवस्था के अंदर और बाहर बदलाव पर विचार कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने यह बात कही। रूस ने पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र के एक प्रस्ताव को वीटो कर दिया था, जिससे उत्तर कोरिया के खिलाफ सुरक्षा परिषद के प्रतिबंधों की संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञों द्वारा निगरानी को प्रभावी ढंग से अवरुद्ध कर दिया गया। इसके बाद पश्चिमी देशों ने आरोप लगाया कि यूक्रेन में अपनी जंग को बढ़ाने के लिए रूस उत्तर कोरिया से हथियार खरीदे जाने के बचाव में लगा है। ग्रीनफील्ड ने कहा, ''मैं संयुक्त राष्ट्र के अंदर और बाहर दोनों जगह विकल्प तलाशने की कोशिश में कोरिया गणराज्य और जापान दोनों के साथ, बल्कि समान विचारधारा वाले (देशों) के साथ भी जुड़ने के लिए उत्सुक हूं।

सिडनी में एक महिला स्मारक पर फूल चढ़ाती हुई, ये स्मारक वेस्टफील्ड बोंडी जंक्शन के शॉपिंग सेंटर में बना हुआ है।

रईसी ने फिर दी नेतन्याहू को धमकी

- हमला हुआ तो इजराइल अंजाम भुगतने को रहे तैयार

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने इजराइल के राष्ट्रपति नेतन्याहू को धमकी देते हुए कहा कि यदि उनके देश पर छोटा सा भी हमला हुआ तो तगड़ा और करारा जवाब मिलेगा। रईसी के इस बयान को लेकर ईरान-इजराइल के बीच हुए हमले के बाद मध्य पूर्व में एक बड़ी जंग होने का खतरा मंडराने लगा है। दरअसल इजराइल पहले ही कह चुका है कि वह ईरान पर जवाबी सैन्य कार्रवाई अवश्य ही करेगा। यही नहीं ईरान पर हमले की मंजूरी इजराइल की वार कैबिनेट ने भी दे दी है। ऐसे में दोनों देशों के बीच हमले होने की स्थिति बनती जा रही है। इससे पहले इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अमेरिका और पश्चिमी देशों के दबाव में नहीं आने और अपनी रक्षा का फैसला खुद लेने की बात करते हुए ईरान से बदला लेने की भी बात कह रखी है। यहां दूसरी तरफ तेहरान में सेना की सालाना वार्षिक परेड में बुधवार को ईरान के राष्ट्रपति रईसी ने हिस्सा लिया और कहा कि हमले ने यहूदी शासन (इजराइल) के वैभव को खत्म करके रख दिया है। इस परेड में ईरान की रेगुलर सेना और एलीट फोर्स इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कोर दोनों ही शामिल हुए थे। गौरतलब है कि इजराइल पर किए गए हमले को ईरान ने ऑनेस्ट प्रॉमिस का नाम दिया हुआ था। यही वजह है कि रईसी ने कहा, कि ऑनेस्ट प्रॉमिस ने दिखा दिया है कि हमारे सैन्य बल तैयार हैं।

ईरान को कब और कैसे जवाब देना है ये हम तय करेंगे: पीएम नेतन्याहू

यरुशलम (एजेंसी)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने करीबी सहयोगी देशों की ओर से संयम बरतने की अपील को खारिज करते हुए कहा कि उनका देश यह तय करेगा कि इस सप्ताह की शुरुआत में ईरान के बड़े हवाई हमले का जवाब कैसे दिया जाए। इजराइल ने ईरान के अभूतपूर्व हमले का जवाब देने का संकल्प लिया, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि यह जवाब कब और कैसे दिया जाएगा। पिछले साल अक्टूबर में गाजा पट्टी पर शासन कर रहे हमास के लड़ाकों ने इजराइल पर हमला कर करीब 1200 लोगों की हत्या कर दी थी और कई लोगों को बंधक बना लिया था। इसके जवाब में इजराइल ने सैन्य अभियान शुरू किया जो अब भी जारी है और इसके और विकराल रूप लेने की आशंका पैदा हो गई है।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी कैबिनेट की बैठक में कहा, 'मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि हम अपने निर्णय स्वयं लेंगे। इजराइल अपनी रक्षा के लिए जो भी आवश्यक होगा वह करेगा।' उल्लेखनीय है कि हमले के बाद से इजराइल के सहयोगी उससे आग्रह कर रहे हैं कि वह ऐसी किसी भी प्रतिक्रिया से दूर रहे जो संघर्ष को और बढ़ा सकती है। ब्रिटेन और जर्मनी के विदेश मंत्रियों ने भी यही अपील बुधवार को अपनी-अपनी इजराइल यात्रा के दौरान दोहराई। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने इजरायल पर 185 ड्रोन से हमला किया। इसके अलावा 110 जमीन से जमीन पर मार करने वाली और 36 क्रूज मिसाइलें भी दागी गईं। इससे इजरायली क्षेत्र का आसमान पट गया। मीडिया में आए वीडियो को देखने पर ऐसा लग रहा है मानो आतिशबाजी चल रही हो। रिपोर्ट के मुताबिक, ज्यादातर मिसाइलें और ड्रोन ईरान से ही छोड़ गया, जबकि कुछ मिसाइलें इराक और यमन से भी दागी गई हैं। ईरानी हमले की सूचना मिलते ही पश्चिमी देश इजरायल की रक्षा के लिए सामने आ गए। अमेरिकी राष्?ट्रपति जो बाइडेन ने बताया कि ईरान की तरफ से दागी गईं तकरीबन सभी मिसाइलों और ड्रोन को निष्क्रिय कर दिया गया।

ईरान ने पहली बार खुले तौर पर इजरायल पर हमला कर दिया। ईरान ने सैकड़ों ड्रोन और मिसाइल से इजरायल पर हमला कर दिया। हालांकि, इजरायल और उसके सहयोगी देशों ने 300 से ज्यादा ड्रोन और मिसाइल्स को निष्क्रिय कर दिया। इजरायल की जवाबी कार्रवाई और टकराव बढ़ने की आशंका के बीच अमेरिका समेत विश्व के तमाम देशों ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से संयम बरतने की अपील की है, लेकिन उन्होंने इसे सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो जरूरी होगा वह अवश्य करेंगे।

इमरान की सेना प्रमुख को धमकी बोले- मेरी पत्नी को कुछ हुआ तो छोड़ूंगा नहीं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सेना प्रमुख को नहीं छोड़ने की धमकी दी है। जेल में बंद इमरान खान ने आरोप लगाया कि सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर उनकी पत्नी बुशरा बीबी की कैद के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। आपको बता दें कि बुशरा बीबी को भ्रष्टाचार के मामले के साथ-साथ इमरान खान के साथ अवैध निकाह के मामले में दोषी ठहराया गया था। उन्हें इस्लामाबाद में उनके बानी गाला निवास में हिरासत में रखा गया है।

इमरान खान ने कहा, अगर मेरी पत्नी को कुछ हुआ तो मैं आसिम मुनीर को नहीं छोड़ूंगा। जब तक मैं जिंदा हूं मैं आसिम मुनीर को नहीं छोड़ूंगा। मैं उनके असंवैधानिक और अवैध कदमों का पर्दाफाश करूंगा। इमरान खान ने कहा कि मुल्क में जंगल राज है और सब कुछ जंगल के राजा द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पीटीआई को उपचुनाव लड़ने से रोका जा रहा है। सेना ने इमरान खान के इन गंभीर आरोपों पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक ने अडियाला जेल में पत्रकारों से बातचीत में सेना प्रमुख पर कई आरोप लगाए। इस बाबत खान के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक लंबी पोस्ट अपलोड की गई है। इमरान खान ने कहा, मेरी पत्नी को दी गई सजा में जनरल आसिम मुनीर सीधे तौर पर शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि बुशरा को दोषी ठहराने वाले न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें यह फैसला देने के लिए मजबूर किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र पर कब्जा करने चीन ने अधिकारियों को रिश्वत देने की पेशकश

- ड्रेगन की नापाक करतूत का रिपोर्ट से हुआ खुलासा

जेनेवा (एजेंसी)। चीन वैसे तो भारत और उसके आसपास के देशों की सीमाओं में दखल देता रहा है और अपने नापाक इरादों अंजाम देने की बराबर साजिश करता है। अब चीन की एक ओर नापाक करतूत सामने आई है। चीन ने कई बार संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों को रिश्वत की देने की कोशिश की है जिससे वह संयुक्त राष्ट्र पर कब्जा कर सकें लेकिन हर बार की तरह इस बार भी उसकी इस हरकत का पर्दाफाश हो गया।

भारत पर कब्जा करने की नीयत रखने वाले चीन की नापाक करतूत का संयुक्त राष्ट्र के व्हिसिलब्लोहर ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने चीन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन संयुक्त राष्ट्र पर कब्जा करना चाहता है, ताकि हर काम में उसकी तूती बोल सके। चीन चाहता है कि उसका संयुक्त राष्ट्र (यूएन) पर कब्जा हो जाए और फिर वह उसे अपने हिसाब से चला सके।

रिपोर्ट में दावा है कि चीन ने कई बार संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों को रिश्वत देने की कोशिश की। चीन के इस प्रोपोगेंडा का पर्दाफाश संयुक्त राष्ट्र व्हिसिलब्लोहर की सदस्य और मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की पूर्व कर्मचारी एम्मा रीली ने किया है। व्हिसिलब्लोहर ने कुछ सबूत भी पेश किए हैं। रीली ने रिपोर्ट में दावा किया कि चीन ने महामारी के बाद डब्ल्यूएचओ और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनपी) की रिपोर्ट में भी छेड़छाड़ करवाई। उइगर मुसलमानों के साथ दुर्व्यवहार को लेकर भी चीन ने पेश रिपोर्ट पर दबाव बनाया है। ऐसा दावा है कि यूएन के कुछ कर्मचारी ने चीन को उन मानवाधिकार कर्मचारियों के नाम बता है जिन्होंने रिपोर्ट बनाई थी, ताकि चीन उन अधिकारियों का पता लगा कर उनके संपर्क कर सके और रिश्वत देने की पेशकस कर सकें।

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने कई बार यूएन में गंभीर मुद्दों पर चर्चा रोकने वोटों को भी प्रभावित किया और 2 बार महासभा के अध्यक्षों को रिश्वत भी देने की कोशिश की। व्हिसिलब्लोहर ने सबूत पेश कर आरोप लगाया कि चीन संयुक्त राष्ट्र महासभा में कानून के शासन, लोकतंत्र और मानवाधिकारों को हटा देना चाहता है। रीली ने मंगलवार को एक लेख प्रकाशित किया था, जिसमें ये सभी गंभीर आरोप चीन पर लगाए हैं।

कैमरून को दिखा मणिपुर में धार्मिक संघर्ष

-ब्रिटेन की संसद में उठाया मणिपुर हिंसा का मामला

-विदेश मंत्री ने कहा- भारत से की है बात

लंदन (एजेंसी)। मणिपुर हिंसा का मामला ब्रिटेन की संसद में उठाया गया है। मणिपुर हिंसा मामले पर चर्चा कर रहे ब्रिटेन के विदेश मंत्री और पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरून ने कहा है कि मणिपुर के संघर्ष में साफ तौर पर धार्मिक पक्ष है। संघर्ष में चर्च को क्यों नष्ट किया गया? इससे साफ है कि मणिपुर हिंसा में धार्मिक आयाम है।

मणिपुर में जातीय हिंसा मामले पर हाउस ऑफ लॉर्ड्स को संबोधित कर रहे विदेश मंत्री एवं पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरून ने कहा कि मणिपुर में संघर्ष में साफ तौर पर धार्मिक पक्ष है। यह बात कैमरून ने विनचेस्टर के लॉर्ड बिशप के सवाल का जवाब देते हुए कही। उन्होंने ब्रिटिश संसद में कहा कि यह सही है कि हमें इस हिंसा के कुछ धार्मिक पहलुओं को कम करके आंकना नहीं चाहिए। हां, यह कभी-कभी सांप्रदायिक, आदिवासी या जातीय हो सकता है लेकिन कई मायनों में इसका धार्मिक हिस्सा तय होता है।

कैमरून ने एक अन्य धार्मिक स्वतंत्रता वाले सवाल के जवाब में कहा कि यह ऐसा मामला है जिसे अनेक मौकों पर भारत सरकार के सामने हमने उठाया है। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने मणिपुर हिंसा पर डेविड कैंपानेल की रिपोर्ट का अध्ययन किया है। यह रिपोर्ट बताती है कि इस बात पर ध्यान दिया जाना चाहिए कि यदि (मणिपुर) घाटी के लोगों और पहाड़ियों के आदिवासियों के बीच जातीय या आर्थिक विवादों का हवाला देकर संघर्ष की व्याख्या की जाती है, तो भी इन बातों का जवाब तो मिलना शेष ही है। रिपोर्ट में पूछा गया है कि मणिपुर संघर्ष में चर्च क्यों नष्ट किए गए? इसका एक सीधा और स्पष्ट धार्मिक आयाम है।

अयोध्या मामले को भी उठाया

वहीं दूसरी तरफ विंबलडन के लॉर्ड सिंह ने अपने बयान में कहा, कि यह सच है कि भारत संविधान धर्मनिरपेक्ष कहा जाता है, लेकिन बावजूद इसके अयोध्या में दंगे हुए हैं, जहां हजारों मुस्लमान मारे गए हैं। गृह मंत्री ने तब मुसलमानों को दीमक बताया था। एक ढहा दी गई मस्जिद पर एक हिंदू मंदिर बनाया गया। ईसाइयों पर बार-बार अत्याचार हो रहा है और सिखों से कहा गया कि यदि वे हिंदुओं की तरह व्यवहार करते हैं, तो उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। वरना, उन्हें अलगाववादी कहा जाता है। इसके साथ ही लॉर्डि सिंह ने राष्ट्रमंडल चार्टर में धार्मिक स्वतंत्रता को प्राथमिकता देने की अपील की है, जिस पर पूर्व प्रधानमंत्री कैमरून ने भी सहमति जताई है। कैमरुन ने सिंह की टिप्पणी पर सहमति जताते हुए कहा, कि भारत में धार्मिक सहिष्णुता और धार्मिक विश्वास की स्वतंत्रता के महत्व पर उन्होंने जो भी कहा है, वह महत्वपूर्ण है। ऐसे अवसर भी आए हैं जबकि हमने इसे भारत सरकार के समक्ष उठाया है और यह आगे भी जारी रहना चाहिए।

भारत-अमेरिका मिलकर बनाएंगे लड़ाकू विमान के इंजन

- अमेरिका रक्षामंत्री बोले-दोनों देशों के बीच हुआ समझौता है क्रांतिकारी

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना के लिए मिलकर लड़ाकू विमानों के इंजन बनाने के लिए भारत और अमेरिका के बीच हुआ समझौता एक क्रांतिकारी कदम है। यह बात अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने सांसदों से कही। ऑस्टिन ने सदन को बताया कि अमेरिका के भारत के साथ अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा कि हमने हाल ही में भारत को विमान के इंजन बनाने में मदद की और यह एक तरह का क्रांतिकारी कदम है। इससे उनकी क्षमता बढ़ेगी। उन्होंने आगे कहा कि हम भारत के साथ मिलकर एक बख्तरबंद वाहन का भी निर्माण कर रहे हैं। ऑस्टिन ने कहा कि अगर कुल मिला कर देखा जाए तो ये सब लंबे वक्त में क्षेत्र में हुए काम से काफी अधिक है। बता दें कि पीएम नरेन्द्र मोदी पिछले साल जून में अमेरिका की यात्रा पर गए थे और उसी दौरान इस ऐतिहासिक समझौते की घोषणा की गई थी।

जनरल इलेक्ट्रिक ने भारतीय वायुसेना के लिए लड़ाकू विमानों के इंजन बनाने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

-एलियन की खोज में एक नई योजना हो रही तैयार: 'यूरोपा' पर अंतरिक्ष यान भेजने की तैयारी में नासा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा इस साल अक्टूबर में 'बृहस्पति' ग्रह के बर्फीले चांद 'यूरोपा' पर अपना क्लिपर अंतरिक्ष यान भेजने की तैयारी में है। अंतरिक्ष यान साल 2031 में वहां लैंड करेगा। माना जा रहा है कि यूरोपा पर धरती जैसा वातावरण हो सकता है और वहां जीवन भी संभव हो।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'नासा जिन मूलभूत प्रश्नों को समझना चाहता है उनमें से एक यह है कि क्या हम ब्रह्मांड में अकेले हैं?' इसकी जानकारी इस मिशन के साइंटिस्ट बॉब पप्पालार्डो ने जानकारी दी। यूरोपा पर जीवन के लिए स्थितियां ढूंढनी हैं, तो इससे यह भी पता चल सकता है कि पूरे ब्रह्मांड में जीवन कितना सामान्य हो सकता है। इस मिशन में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा को 5 बिलियन डॉलर का खर्च आएगा। यह अंतरिक्ष यान वर्तमान में कैलिफोर्निया में नासा की जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला में एक ÷क्लिन÷ रूम में रखा गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि एजेंसी को यह सुनिश्चित करना चाहती है कि पृथ्वी के किसी भी जीवन के हिस्से को यूरोपा तक ले जाने से बचाने के लिए इसे ÷क्लिन÷ रूम में रखा गया है।

क्लिपर को अक्टूबर में एलोन मस्क के स्पेसएक्स से फाल्कन भारी रॉकेट पर लॉन्च किया जाएगा। उसे बृहस्पति तक पहुंचने में पांच साल से अधिक समय लगेगा। अपनी इस यात्रा के दौरान वह मंगल ग्रह से होकर भी गुजरेगा। वैज्ञानिकों का मानना है कि यूरोपा जमे हुए पानी यानी बर्फ से ढका हुआ है। साइंचिस्ट ने बताया, 'हमारे पास कैमरे, और स्पेक्ट्रोमीटर, एक मैग्नेटोमीटर और एक रडार है जो वहां के बर्फ में सीधा घुस सकते हैं। उसके सतह से 'पानी' बाहर निकालेगा और साथ ही सतह पर वापस आकर हमें बताएगा कि बर्फ कितनी मोटी है और तरल पानी कहां स्थित है।'

मिशन प्रबंधक ने बताया कि क्या चंद्रमा पर ऐसी स्थितियां हैं, जो जीवन का समर्थन कर सकती हैं। यह लगभग पृथ्वी के चंद्रमा के आकार का है। इसके सतह के अंदर महासागर भी है, जो ज्वारीय बलों से पनपी गर्मी और ऊर्जा वहां पर सूक्ष्मजीवों के जीवन के लिए उपयुक्त परिस्थितियां बनाती हैं। यूरोपा क्लिपर मिशन के प्रोजेक्ट मैनेजर जॉर्डन इवांस ने अगर हमें वहां पर जीवन के संकेत मिल जाते हैं तो यह संभव हो जाएगी कि हमारो सौरमंडल से काफी दूर अंतरिक्ष में भी असंख्य जीवन हो सकते हैं और हम अंतरिक्ष में अकेले नहीं रह जाएगें।' यूरोपा पर वातावरण काफी चुनौतीपूर्ण है, जो खोज में बाधाएं पैदा कर सकता है। तीव्र रेडिएशन यान के उपकरणों के खराब होने की संभावना रहती है।

भारतीय बच्चों के लिए खतरा साबित हो रहे नेस्ले के प्रोडक्ट

-भारत सरकार ने दिए जांच के आदेश

भारत सरकार ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली । नेस्ले के सामनों को लेकर एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट से पता चला है कि दुनिया की सबसे बड़ी उपभोक्ता वस्तु और शिशु फार्मूला निर्माता, नेस्ले, भारत और अन्य एशियाई और अफ्रीकी देशों में बिकने वाले शिशु दूध और अनाज उत्पादों में चीनी मिला रही है। रिपोर्ट के अनुसार, स्विस जांच संगठन पब्लिक आई के प्रचारकों ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में बिक रहे बहुराष्ट्रीय कंपनी के शिशु-खाद्य उत्पादों के नमूने परीक्षण के लिए बेल्जियम की प्रयोगशाला में भेज गए थे। टीम को निडो के नमूनों में सुक्रोज या शहद के रूप में अतिरिक्त चीनी मिली, जो एक अनुवर्ती दूध फार्मूला ब्रांड है, जिसका उपयोग 1 साल और उससे अधिक उम्र के शिशुओं के लिए किया जाता है। 6 महीने से दो साल की उम्र के बच्चों के लिए बनाने वाले सेरेलैक में भी चीनी की मात्रा अधिक मिली। हैरानी की बात यह है कि यूके सहित नेस्ले के मुख्य यूरोपीय बाजारों में छोटे बच्चों के लिए फार्मूले में कोई अतिरिक्त चीनी नहीं है। हालांकि बड़े बच्चों के लिए बनाए गए उत्पादों में अतिरिक्त चीनी होती है, लेकिन छह महीने से एक साल के बीच के बच्चों के लिए बनाए गए उत्पादों में कोई चीनी नहीं होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, अफ्रीका में, 2000 के बाद से 5 साल से कम उम्र के अधिक वजन वाले बच्चों की संख्या में लगभग 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत में, 12.5 मिलियन बच्चे (7.3 मिलियन लड़के और 5.2 मिलियन लड़कियां), जिनकी उम्र पांच से 19 वर्ष के बीच है। रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में उनका वजन अत्यधिक अधिक था, जो 1990 में 0.4 मिलियन था। विश्व स्तर पर, 1 अरब से अधिक लोग मोटापे के साथ जी रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि केवल पैकेजिंग पर छपी पोषण संबंधी जानकारी के आधार पर उपभोक्ताओं के लिए स्वस्थ उत्पादों की पहचान करना मुश्किल है। ज्यादातर मामलों में, खाद्य लेबल में अक्सर दूध और फलों में प्राकृतिक रूप से पाई जाने वाली शर्करा को किसी भी अतिरिक्त शर्करा के समान शीर्षक के तहत शामिल किया जाता है। भारत में, बाल रोग विशेषज्ञ शिशु के 2 साल का होने तक चीनी न देने की सख्त सलाह देते हैं। इस बीच, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) 2 साल से ऊपर के बच्चों के लिए मुफ्त चीनी/अतिरिक्त शर्करा से आने वाली कुल ऊर्जा का 5 प्रतिश- 7 प्रतिशत से अधिक की सिफारिश नहीं करता है। यूके अनुशंसा करता है कि वजन बढ़ने और दांतों की सड़न सहित जोखिमों के कारण चार साल से कम उम्र के बच्चों को अतिरिक्त चीनी वाले भोजन से बचना चाहिए। अमेरिकी सरकार के दिशानिर्देश दो वर्ष से कम उम्र के लोगों के लिए अतिरिक्त शर्करा वाले खाद्य पदार्थों और पेय से परहेज करने की सलाह देते हैं।

नेस्ले पर भारत सरकार के कान खड़े.... जांच के आदेश दिए

बच्चों का प्रोसेस्ड फूड बनाने के मामले में दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी में से एक नेस्ले पर बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। इसके बाद नेस्ले कंपनी भारत सरकार की जांच के दायरे में आ चुकी है। बताया जा रहा है कि डबल स्टैंडर्ड का मामला सामने आने के बाद नेस्ले प्रोडक्ट पर एफएसएसएआई की नजर है। भारत सरकार के सूत्रों ने बताया कि अगर गड़बड़ी मिली, तब कंपनी पर कार्रवाई हो सकती है। सूत्रों के हवाले से पता चला है कि रेगुलेटर की साइंटिफिक कमिटी इसकी जांच करेगी। भारत सरकार ने देश में बिकने वाले शिशु के दूध में कथित तौर पर चीनी मिलाने की रिपोर्ट की जांच करने को कहा है। दरअसल, स्विस जांच संगठन की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि नेस्ले कंपनी भारत में बिकने वाले बेबी फूड में शूगर का इस्तेमाल कर रही है। छोटी बच्चों को खाने में चीनी देना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, यह देखकर केंद्र सरकार के निशाने पर अब ये कंपनी आ गई है।

भारत में हो रहे चुनावों को लेकर कनाडा ने अपने नागरिकों को चेताया

प्रदर्शन से रहें दूर, बगैर नोटिस लगाया जा सकता है कर्फ्यू

नई दिल्ली।

भारत में हो रहे लोकसभा चुनावों को लेकर कनाडा भी सतर्क है और उसने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। कनाडा का कहना है कि भारत में विरोध प्रदर्शन हो सकते हैं। कनाडा ने भारत में अघोषित कर्फ्यू की भी आशंका जता दी है। बता दे कि खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत के शामिल होने की आशंका जताए जाने के बाद से ही भारत-कनाडा के बीच रिश्ते में दरार आ गई हैं।कनाडा ने जारी ट्रेवल एडवाइजरी में कनाडा ने अपने नागरिकों को चेताया है कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान यातायात की समस्या हो सकती है और पब्लिक ट्रांसपोर्ट भी प्रभावित हो सकता है। भारत में रहते हुए कानाडाई नागरिक ज्यादा से ज्यादा सतर्कता बरतें। इसके अलावा संसदीय चुनावों को लेकर भी एडवाइजरी में एक पार्ट शामिल किया गया है, जिसमें लिखा है, भारम में आम चुनाव 19 अप्रैल से 1 जून 2024 तक तय हैं। चुनाव के पहले, चुनाव के दौरान और इसके बाद में प्रदर्शन हो सकते हैं। कनाडा का कहना है कि इस दौरान बगैर नोटिस के भी कर्फ्यू लगाए जा सकते हैं। उसने यात्रियों को ऐसी जगहों से दूर रहने की सलाह दी है, जहां बड़े स्तर पर लोग जुट रहे हैं या प्रदर्शन हो रहे हैं। कनाडा की तरफ से जारी एडवाइजरी में कई पुरानी बातें भी शामिल हैं, जो उसने बीते साल अक्टूबर में जारी की थी। उस दौरान कनाडा ने कहा था, कनाडा और भारत के बीच हुए घटनाक्रमों के संदर्भ में मीडिया और सोशल मीडिया में कनाडा के खिलाफ नकारात्मक भावनाएं और विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया जा रहा है। कनाडा विरोधी प्रदर्शन हो सकते हैं, जिसमें कनाडा के लोगों को प्रताड़ित भी किया जा सकता है। एडवाइजरी में खासतौर से बेंगलुरु, चंडीगढ़ और मुंबई का जिक्र किया गया था। भारत ने कनाडा के खिलाफ ऐक्शन लिया था, जिसके बाद 41 राजनयिकों को वापस बुला लिया गया था।

डिंपल का नामाकंन करने एक साथ मैनपुरी पहुंचा सैफई परिवार

चाचा शिवपाल और रामगोपाल दिखे साथ

मैनपुरी । मौजूदा लोकसभा चुनाव में सैफई परिवार की रार दूर हुई, तब मुलायम का कुनबा मजबूत हुआ। डिंपल यादव के नामांकन के लिए चाचा शिवपाल और रामगोपाल यादव के साथ अखिलेश यादव और डिंपल एक गाड़ी में मैनपुरी पहुंचे। मैनपुरी जिला, मुलायम सिंह का गढ़ माना जाता है। मुलायम सिंह का परिवार प्रदेश की सियासत में सबसे बड़ा माना जाता है। लेकिन, बीते कुछ वर्षों में ये कुनबा भी बिखर गया था। लेकिन स्व.ससुर के गढ़ में जब बहू डिंपल नामांकन करने पहुंचीं, तब सबसे बड़ा सियासी कुनबा एक नजर आया। डिंपल और अखिलेश यादव की कार में आगे चाचा शिवपाल सिंह थे, तब पीछे प्रोफेसर रामगोपाल यादव भी बैठे थे। परिवार के अन्य सदस्य भी उनके साथ नामांकन में पहुंचे थे। बीते कुछ चुनावों में सैफई परिवार में छिड़ी आपसी रार सबके सामने आ गई थी। इसकारण 2019 में मुलायम का नामांकन हो या 2022 के उप चुनाव में डिंपल यादव का नामांकन, दोनों में ही चाचा शिवपाल सिंह यादव नजर नहीं आए। शिवपाल सिंह यादव की मैनपुरी में जनता के बीच पकड़ अच्छी मानी जाती है, इसके बाद हर कोई अलग-अलग कयास लगा रहा था। 2024 के चुनाव के लिए सपा प्रत्याशी डिंपल यादव लेकिन इस बार सैफई परिवार एक नजर आया। डिंपल का नामांकन कराने के लिए चाचा शिवपाल भी मैनपुरी पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने सभी को एक साथ देखा

तब उन्हें समझते देर न लगी कि पूरा परिवार डिंपल के साथ है।

डिंपल के नामांकन में पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव और पूर्व सांसद तेजप्रताप यादव भी पहुंचे थे। डिंपल और अखिलेश की कार के ठीक पीछे ही उनकी कार चल रही थी।

तेजस्वी के व्यवहार से दुखी हूं, उनका परिवार मेरा भी परिवार है: चिराग

लोजपा प्रमुख और उनके परिवार को अपशब्द कहने वाला वीडियो वायरल

पटना।

बिहार में एक चुनावी में राजद नेता तेजस्वी यादव की सभा में राजद कार्यकर्ताओं द्वारा लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान और उनके परिवार को अपशब्द कहने का वीडियो वायरल हो गया। वायरल वीडियो को लेकर चिराग पासवान ने कहा कि तेजस्वी यादव के इस तरह के व्यवहार से वह बहुत दुखी हैं। जमुई क्षेत्र में राजद की चुनावी सभा का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें तेजस्वी यादव भाषण देते नजर आ रहे हैं और नीचे से राजद के कार्यकर्ता चिराग और उनके परिवार को लेकर भद्दी-भद्दी बातें कह रहे हैं। इस वायरल वीडियो की जानकारी लगने के बाद चिराग पासवान ने कहा कि वे तेजस्वी यादव से दुखी हैं। उन्होंने तेजस्वी को अपना छोटा भाई बताते हुए कहा कि उस मंच पर मेरे छोटे भाई तेजस्वी यादव खड़े थे और राजद कार्यकर्ता उनके और परिवार को अपशब्द कह रहे थे। चिराग ने कहा कि तेजस्वी से मेरा रिश्ता काफी पुराना है। हम दोनों अलग-अलग राजनीतिक दल से जरुरी हैं। लेकिन, हम लोग एक-दूसरे के परिवार को गाली तो नहीं देंगे न।

चिराग ने कहा तेजस्वी की मां रावड़ी देवी को अपनी मां बताते हुए कहा कि मैं ईमानदारी से कहता हूं कि मेरे सामने तेजस्वी यादव के परिवार के खिलाफ कोई कुछ बोलेगा तो मैं उसका मुंहतोड़ जवाब दूंगा। मैं बर्दाश्त नहीं करुंगा। मेरी राजनीति एक तरफ है, लेकिन, वह मेरा परिवार हैं। लालू जी मेरे पिता समान हैं। लालू जी के साथ उन्होंने काम किया है। दोनों परिवार के साथ आपस में गहरा संबंध रहा है। चिराज ने यहां तक कहा कि राजद की प्रत्याशी महिला हैं, क्या वे ऐसे ही किसी महिला के बारे सुनेंगी।

राहुल गांधी चम्मच से दूध पीने वाले बच्चे हैं: आजाद

भाजपा शासित राज्य से लोकसभा चुनाव लड़ने से डर रहे हैं

श्रीनगर।

डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने दावा किया है कि राहुल गांधी भाजपा शासित राज्य से लोकसभा चुनाव लड़ने से डर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस के उस दावे का भी खंडन किया जिसमें कहा जा रहा है कि राहुल बहादूरी से भाजपा का मुकाबला कर रहे हैं। आजाद ने कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष को चम्मच से दूध पीने वाले बच्चा बताया है।

गुलाम नबी आजाद ने कहा कि राहुल गांधी भाजपा शासित राज्यों में चुनाव लड़ने से क्यों हिचकिचा रहे हैं? वह भाजपा से लड़ने का दावा करते हैं। राहुल भाजपा शासित राज्यों से क्यों भागे और अल्पसंख्यक बहुल राज्यों में क्यों शरण ली? आजाद उधमपुर लोकसभा सीट के संगलदान और उखराल इलाकों में रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने केरल जैसे राज्यों में सुरक्षित सीटों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाते हुए जमीन पर

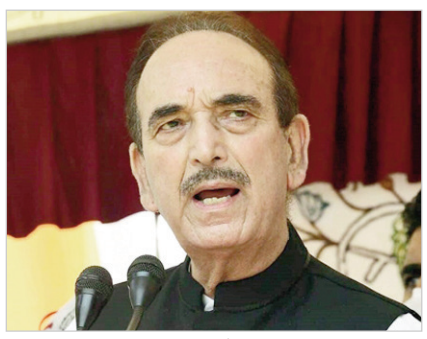

भाजपा से लड़ने की कांग्रेस और राहुल गांधी की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया। नेहरू-गांधी परिवार के करीबी रहे गुलाम नबी आजाद ने कहा कि राहुल गांधी और उमर अब्दुल्ला राजनेता नहीं बल्कि चम्मच से दूध पीने वाले बच्चे हैं।

आजाद ने कहा कि राहुल गांधी ने जीवन में कोई व्यक्तिगत बलिदान नहीं दिया है और वे केवल इंदिरा गांधी और शेख अब्दुल्ला जैसी हस्तियों से विरासत में मिली राजनीतिक विरासत का आनंद ले रहे हैं। दोनों ने अपनी ओर से कुछ नहीं किया है। अब्दुल्ला चिनाब घाटी में डीपीएपी के खिलाफ प्रचार कर रहे हैं, बीजेपी के खिलाफ नहीं। उन्हें धर्मनिरपेक्ष वोटों को विभाजित करने का काम सौंपा गया है। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुछ नहीं किया।

ईरान-इजराइल तनाव से अमेरिका, कनाडा और यूरोप जाना हो सकता हैं मंहगा

एयरलाइन कंपनियां ईरान के एयरस्पेस से दूरी बना रही

नई दिल्ली ।

अमेरिका, कनाडा और यूरोप जाना आने वाले दिनों में महंगा हो सकता है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण एयरलाइन कंपनियां ईरान के एयरस्पेस से दूरी बना रही हैं। इस कारण फ्लाइट्स में सामान्य ट्रेवल टाइम के मुकाबले 45 मिनट ज्यादा समय लग रहा है। एयर इंडिया, विस्तारा और इंडिगो सहित कई एयरलाइन कंपनियों के विमान ईरान के एयरस्पेस से बच रही हैं। वे मध्य एशिया और अरब प्रायद्वीप के ऊपर से उड़ान भर रही हैं। इस कारण उन्हें ज्यादा ईंधन की जरूरत पड़ रही है। फ्यूल कॉस्ट बढ़ने से इन कंपनियों पर दवाब बढ़ गया है। अगर यह समस्या लंबे समय तक बनी रहती है, तब आने वाले दिनों में अमेरिका और यूरोप जाने वाले यात्रियों को ज्यादा किराया देना पड़ सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक दिल्ली और मुंबई से लंदन, पेरिस, फ्रैंकफर्ट और न्यूयॉर्क जैसे शहरों के लिए

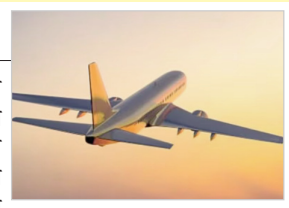

फ्लाइट्स में 15 से 45 मिनट ज्यादा समय लग रहा है। टाटा ग्रुप की एयरलाइन विस्तारा का कहना है कि उसके विमान आपात रूट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे फ्लाइट्स का टाइम बढ़ गया है और फ्लाइट्स में देरी हो रही है। अधिकारियों का कहना है कि भारत से अमेरिका, कनाडा, यूरोप और मिडिल ईस्ट देशों के लिए हवाई किराया बढ़ सकता है।कमर्शियल एयरलाइन किराए को नियत्रिंत करने के लिए डायनैमिक प्राइसिंग का इस्तेमाल करती हैं। यह कई फैक्टर्स पर निर्भर होता है जिसमें रूट भी शामिल है। अगर रूट लंबा होगा, तब एयरलाइन कंपनियों के लिए वह ज्यादा महंगा होगा। विमानों को ईरान के एयरबेस से बचने की सलाह दी गई थी। इजरायल की बदले की कार्रवाई की आशंका को देखकर अधिकांश विमानन कंपनियां ईरान के एयरस्पेस से बच रही हैं। इससे उनका रूट लंबा हो गया है।

लालू ने सारण की रैली में फिर खेला 2015 वाला आरक्षण का कार्ड

एक ही दांव हर चुनाव में काम करे, इसकी गुंजाइश न के बराबर

पटना ।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष और पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव ने बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर के बनाए संविधान ने वंचित जातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की उस व्यवस्था को मिटाने' और 'खत्म' करने की कोशिश की जा रही है। लालू ने सारण लोकसभा क्षेत्र में रैली को संबोधित कर यह टिप्पणी की। इस सीट पर उन्होंने बेटी रोहिणी आचार्य को उतारा हैं। लालू प्रसाद ने मोदी सरकार पर परोक्ष रूप से प्रहार करते हुए कहा, 'बाबा साहेब के बनाए संविधान को मिटाने और खत्म करने का प्रयास हो रहा है। अगर संविधान नहीं होता तब न आरक्षण होता और न ही लोकतंत्र। हमें उन लोगों को सबक सिखाना होगा जो संविधान को खत्म करना चाहते हैं।' लालू ने आरोप लगाया था कि भाजपा के नेता खुलेआम सत्ता में आने पर संविधान को बदलने की बातें कर रहे हैं, लेकिन पार्टी और प्रधानमंत्री मोदी इस लेकर चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि इसके पूर्व आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत ने भी आरक्षण की समीक्षा की बात की थी। कुल मिलाकर लालू का यह दांव 2015 बिहार विधानसभा चुनाव की तरह ही है। तब नीतीश की अगुवाई वाली महागठबंधन को इसी एक मुद्दे ने बंपर जीत दिला दी थी। हालांकि राजनीतिक पंड़ितों के मुताबिक लालू एक ही दांव हर चुनाव में काम करे, इसकी गुंजाइश न के बराबर है। अपनी पुत्री रोहिणी के प्रचार के लिएए लालू पत्नी राबड़ी देवी के साथ सारण गए थे। सारण सीट को पहले छपरा के नाम से जाना जाता था।

यहां से लालू प्रसाद ने 1997 में लोकसभा चुनाव लड़ा था। भाजपा के राजीव प्रताप रूडी इस समय यहां से सांसद हैं जो तीसरी बार निर्वाचित होने के लिए भाजपा की ओर से मैदान में हैं। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के छोटे बेटे और उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी तेजस्वी यादव अब तक अकेले ही पार्टी का प्रचार अभियान संभाले रहे थे। उन्होंने पिता द्वारा अपनी बड़ी बहन के लिए प्रचार करने पर खुशी व्यक्त की।

अक्षम मतदाताओं को मतदान केंद्र पर पहुंचाएगी भाजपा की बाइकर्स गैंग

हर कार्यकर्ता पीले चावल लेकर मतदाता के घर पहुंचेगा

भोपाल । मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा में से 28 सीटें भले ही बीजेपी के पास हो, लेकिन फिर भी पार्टी चुनाव में कोई भी खतरा नहीं लेना चाहती। इसकारण बीजेपी ने माइक्रो लेवल की योजना तैयार की है। मध्य प्रदेश भाजपा ने एक ऐसी टीम बनाई है जो चुनाव के दिन मतदान समाप्त होने तक सक्रिय रहेगी। यह टीम पहले चरण के तहत होने वाले मतदान में 19 अप्रैल को हर बूथ में तैनात रहेगी। दरअसल, बीजेपी ने अपने प्रत्याशी के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान कराने के लिए विशेष प्लान बनाया है। इसके तहत बूथ स्तर पर पन्ना प्रमुख और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी मिली है। यह टीम मतदाताओं को पीले चावल देकर मतदान करने के लिए न्यौता देगी। वहीं, बाइक सवारों की टीम अक्षम मतदाताओं को केंद्र तक लेकर जाएगी।

बीजेपी प्रदेश मंत्री और बूथ प्रबंधन प्रदेश प्रभारी रजनीश अग्रवाल ने बताया कि अक्षम मतदाताओं के लिए बाइक सवारों की एक टीम तैयार की है। जिसके तहत हर बूथ में टीम के सदस्यों की एक सूची बनाई गई है। इसके तहत पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता सुबह छह बजे उठकर छह लोगों को जगाएगा और उन्हें मतदान करने के लिए प्रेरित करेगा। बूथ के कार्यकर्ताओं को रात दस बजे ही सोने के लिए कहा गया है, ताकि वे समय से सुबह छह बजे उठ जाए। इन कार्यकर्ताओं में से कुछ कार्यकर्ताओं को बाइक चालकों की वर्ग में शामिल किया गया है।

यह बाइक चालक कार्यकर्ता अक्षम, दिव्यांग जन और बुजुर्ग मतदाताओं को अपने दो पहिया वाहन में बैठाकर बूथ तक ले जाएंगे और मतदान के बाद वापस घर तक छोड़ कर आएंगे। अग्रवाल ने बताया कि प्रत्येक बूथ पर पांच से दस बाइक सवार तैनात किए गए हैं। लोकसभा की वोटिंग गर्मी के मौसम हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

स्पाइसजेट की लापरवाही, यात्री पहुंच गए बागडोगरा....सामान छूट गया दिल्ली में ही

बागडोगरा । स्पाइसजेट एयरलाइन के कई यात्रियों को पश्चिम बंगाल के बागडोगरा हवाई अड्डे पर तब असुविधा का सामना करना पड़ा जब उन्हें जानकारी मिली की, उनका सामान दिल्ली में ही छूट गया है। स्पाइसजेट ने इस असुविधा के लिए खेद जताकर कहा कि दिल्ली में छूट गए यात्रियों के सामान को अगली उड़ानों से बागडोगरा लाया जाएगा। यह मामला तब सामने आया जब नोएडा निवासी एक यात्री ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी।राजेश कुमार ने 'एक्स' पर लिखा, आज दिल्ली से बागडोगरा की उड़ान में हमारा सामान खो गया और गलत जगह रख दिया गया। कर्मचारियों के पास इसका कोई जवाब नहीं है।'' दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 से यह उड़ान दोपहर 12.30 बजे बागडोगरा के लिए रवाना हुई थी। स्पाइसजेट प्रवक्ता ने कहा, स्पाइसजेट की उड़ान एसजी 8841 को परिचालन कारणों से भार-वहन संबंधी बंदिशों का सामना करना पड़ा, जिससे कुछ सामान को विमान से उतार दिया गया था। लेकिन इस सामान को बाद की उड़ानों के माध्यम से जोड़ा जाएगा।

चुनाव से पहले गुजरात में आप को बड़ा झटका, दो बड़े पाटीदार नेताओं ने दिया इस्तीफा

अहमदाबाद । लोकसभा चुनाव से पहले दक्षिण गुजरात में आम आदमी पार्टी (आप) को बड़ा झटका लगा है. पाटीदार आंदोलन के चेहरा रहे अल्पेश कथीरिया और धार्मिक धामेलिया ने आप से इस्तीफा दे दिया है. फिलहाल दोनों नेताओं के भाजपा जॉइन करने की अटकलें तेज हो गई हैं. अल्पेश कथीरिया और धार्मिक धामेलिया ने अपना इस्तीफा आप के गुजरात प्रदेश प्रमुख इशुदान गढ़वी को भेज दिया है. बता दें कि अल्पेश कथीरिया और धार्मिक धामेलिया खास दोस्त हैं और दोनों एक साथ आप का साथ छोड़ा है. हार्दिक पटेल के नेतृत्व में हुए पाटीदार आंदोलन में खासकर अल्पेश कथीरिया की बड़ी भूमिका रही है. हार्दिक पटेल तो गत विधानसभा चुनाव में भाजपा के टिकट चुनाव लड़कर विधायक बन गए. अब देखना होगा कि अल्पेश कथीरिया और धार्मिक धामेलिया भी भाजपा जॉइन करते हैं या नहीं. फिलहाल दोनों के भाजपा में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई हैं.

यूपीएससी में बिहार की संस्कृति सिंह ने बढ़ाया राज्य और परिवार का मान

शेखपुरा। यूपीएससी परीक्षा का रिजल्ट घोषित हो चुका है जिसमें बिहार के 32 छात्र-छात्राओं ने सफलता हासिल की है। जिनमें पांच छात्र-छात्राओं ने टॉप-100 में जगह बनाई। समस्तीपुर के शिवम कुमार 19वीं रैंक लाकर पूरे बिहार में टॉपर किया है। वहीं, बरबीघा प्रखंड अंतर्गत तोयगढ़ गांव में रहने वाले राकेश सिंह की बेटी संस्कृति की 366वां रैंक आई है। संस्कृति सिंह को आईआरएस सर्विस मिली है। संस्कृति के यूपीएससी में पास होने पर गांव से लेकर बरबीघा क्षेत्र में खुशी का माहौल है। संस्कृति को बधाई देने वालों का तांता लगा है। संस्कृति सिंह के परिजन और पेट्रोल पंप मालिक पप्पू सिंह ने बताया कि संस्कृति कर्नाटक में एडिशनल चीफ सेक्रेटरी राकेश सिंह की बेटी हैं। 3 साल पहले संस्कृति शादी हो गई थी। उनके पति भी इनकम टैक्स कमिश्नर के पद पर कार्यरत हैं। वहीं, दिल्ली और कर्नाटक में पढ़ाई करने के बाद संस्कृति सिंह ने सफलता हासिल की। भरत सिंह के दो बेटे राकेश सिंह एडिशनल चीफ सेक्रेटरी कर्नाटक सरकार में कार्यरत हैं। ये उनकी इकलौती बेटी संस्कृति सिंह हैं। जिन्होंने यूपीएससी में सफलता हासिल की। भरत सिंह के दूसरे बेटे मुकेश सिंह असिस्टेंट सीएजी के पद से रिटायर हो चुके हैं। संस्कृति के परिवार में पहले से ही कई ब्यूरोक्रेट्स रहे हैं।

रामनवमी पर तेज आवाज में म्यूजिक बजाने को लेकर दो छात्र समूह भिड़े

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ के बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में रामनवमी के अवसर पर एक समारोह में तेज आवाज में म्यूजिग बजाने को लेकर दो छात्र समूह आपस में भिड़ गए। विवाद के बाद छात्रों ने रात को कुलपति संजय कुमार के घर का घेराव किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बुधवार को रामनवमी समारोह के दौरान तेज म्यूजिक बजाने को लेकर दो छात्र समूह में विवाद हो गया। एक समूह के छात्रों ने आरोप लगाया कि परिसर में बिना अनुमति के तेज म्यूजिक बजाने पर आपत्ति जताने पर सुरक्षाकर्मियों ने उनकी पिटाई की। इसके बाद छात्र कुलपति के घर का घेराव करने पहुंच गए। उन्होंने दावा किया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने धार्मिक कार्यक्रम के लिए कोई अनुमति नहीं दी थी, फिर भी परिसर में तेज म्यूजिक सिस्टम बजाया गया। बीबीएयू के अधिकारियों ने कहा कि तेज म्यूजिक बजाने को लेकर दो समूहों में झगड़ा हुआ था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

सूरत में GST के सहायक कमिश्नर की बेटी ने चेहरे पर पॉलिथीन बैग बांधकर की आत्महत्या

लिखा- मेरी मौत का कोई जिम्मेदार नहीं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में कॉलेज छात्रा द्वारा परीक्षा के तनाव के कारण आत्महत्या करने की घटना सामने आई है।

सूरत के अडाजण इलाके में रहने वाले और मुंबई में त्रस्ज्ञ विभाग में सहायक कमिश्नर के पद पर कार्यरत एक अधिकारी की बेटी ने परीक्षा में असफल होने के तनाव में चेहरे पर प्लास्टिक बैग बांधकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस को लड़की का लिखा सुसाइड नोट मिला है। जिसमें उसने लिखा है कि परीक्षा में फेल होने के कारण उसने आत्महत्या कर ली।

लड़की सूरत के सार्वजनिक कॉलेज में क्कज्ञद्गष्द्ध तीसरे वर्ष में पढ़ रही थी। अडाजण पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर जांच की।

वी. मनुश्री ने शनिवार शाम करीब ५ बजे चेहरे पर प्लास्टिक बैग बांधकर आत्महत्या कर ली।

घटना की जानकारी जब परिजनों को हुई तो वे उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गये, लेकिन ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया था।

अडाजण पुलिस स्टेशन पीआई आर.बी. गोजिया ने बताया कि छात्र उच्च शिक्षित थी। इसलिए, जैसा कि फिल्मों में देखा जाता है, उन्होंने अपने मुंह पर प्लास्टिक लॉकिंग सिस्टम वाला एक बैग पहना था।

इसके बाद उसने ताले से अपने हाथ बांध लिए। ऐसे में उसने दम घोंटकर आत्महत्या कर ली। तनाव में आकर आत्महत्या जैसा कदम उठाया पुलिस ने आगे बताया कि छात्र कॉलेज के तीसरे वर्ष में पढ़ रहा थी और परीक्षा में फेल हो गया थी। जिससे तनाव में आकर आत्महत्या का कदम उठाया है।

पुलिस को घर से छात्रा द्वारा अंग्रेजी में लिखा सुसाइड नोट मिला है। जिसमें लिखा है कि परीक्षा में असफल होने पर उसने ऐसा कदम उठाया।

हालांकि, घटना के बाद पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया और आगे की जांच की।

“अब उन्हें कोई नहीं पकड़ेगा”, यह सोचकर लौटते ही पुलिस ने पकड़ा, ११ साल बाद गिरफ्तार हुआ हत्या का आरोपी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, सुरत सिटी क्राइम ब्रांच ने ग्यारह साल से हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपियों को मध्य प्रदेश और सूरत से गिरफ्तार किया है. २०१३ में एक नाबालिग समेत तीन लोगों ने पड़ोसी की गला काटकर हत्या कर दी थी. फिर सभी अलग-अलग जगहों पर भाग गए थे. काफी समय बीतने के बाद यह सोचकर आए कि अब उन्हें कोई नहीं पकड़ेगा, पर सूरत लौटते समय दो को पुलिस ने पकड़ लिया. दोनों आरोपियों में से एक आरोपी हत्या के समय नाबालिग था.

सूरत क्राइम ब्रांच ने एक गुप्त सूचना के आधार पर, २०१३ से सचिन जी.आई. डी.सी. हत्या मामले में फरार आरोपियों में से एक आरोपी मनोज कुमार शंकर जयसवाल को उसके गृहनगर से और कानून का उल्लंघन करने वाले एक नाबालिग को सूरत से गिरफ्तार किया गया है. सचिन जीआईडीसी में आरोपी और नाबालिग के खिलाफ हत्या की शिकायत दर्ज की गई थी. हत्याओं और उनमें से फरार चल रहे मनोजकुमार शंकर जयसवाल की सीआरपीसी की धारा ७० के अनुसार वारंट होने से दोनों के खिलाफ कार्यवाही कर आरोपियों को सचिन जी.आई.डी.सी. पुलिस स्टेशन में सोंपा गया.

आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि आरोपी मनोजकुमार शंकर जयसवाल और नाबालिग पारिवारिक भाई हैं. २०१३ में, वह सचिन जीआईडीसी रोड नंबर-२, प्लॉट नंबर-१०२, कामरान की चाल में एक किराए के मकान में मजदूर के रूप में काम कर रहे थे. उस समय धुलेटी का त्यौहार था, वे एक साथ धुलेटी खेल रहे थे और अपने कमरे के बाहर स्पीकर पर गाने बजा रहे थे. हालाँकि चाल में दूसरे कमरे में रहने वाले दीपककुमार लीलामणि साहू को यह पसंद नहीं आया, उसने आरोपी द्वारा लगाए गए स्पीकर को तोड़ दिया और आरोपी मनोजकुमार एव नाबालिग की पिटाई की. धुलेटी के दूसरे दिन शाम करीब आठ बजे पिटाई करने वाला दीपककुमार लीलामणि साहू द्वारा पिटाई की दुश्मनी का बदला लेने की नियत से अपने कमरे में अकेला था. तो, इसका फायदा उठाते हुए, आरोपी मनोज, नाबालिग और सह-आरोपियों ने मिलकर दीपककुमार लीलामणि साहू की गर्दन पर चाकू घुमाया और उसकी हत्या कर दी. इसके बाद सभी सूरत से भाग गए थे. इस बात को आरोपियों ने कबूला है.

सूरत की लाइब्रेरी में निचे बैठकर पढ़ने को मजबूर छात्र, बीजेपी के कार्यक्रम में मंडप-कुर्सियों पर सालाना ५ करोड़ खर्च : AAP

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम द्वारा हजारों करोड़ का बजट आवंटित किया जाता है। जो बजट लोगों की सुविधा के लिए खर्च करने का निर्णय लिया गया है।

खास तौर पर शिक्षा और स्वास्थ्य का भी ध्यान रखा जाता है. यहां सवाल उठता है कि जो बजट सत्ताधारियों द्वारा तय किया जाता है, उसका सही उपयोग छात्रों और जनता के स्वास्थ्य के लिए होता है न?

सरथाणा इलाके में लाइब्रेरी का जो नजारा सामने आया है, उसे देखकर सत्ताधारियों की मानसिकता पर सवाल उठ रहे हैं.

पुस्तकालय में बच्चों के लिए कुर्सियों का अभाव सूरत के सरथाणा इलाके में स्थित लाइब्रेरी के अंदर के हालात को देखकर, यहां अपर्याप्त सुविधाओं के हालात नजर आ रहे हैं।

यहां भारत का भविष्य निचे बैठ कर पढ़ रहा था। जब की कई छात्रों की बोर्ड परीक्षाएं एक सप्ताह बाद शुरू होने वाली हैं, तो ऐसी स्थिति में छात्रों को पढ़ाई करते देखना दिल दहला देने वाला है।

सूरत नगर निगम का इस साल ८८०० करोड़ से ज्यादा का बजट पास हुआ है. इस बजट का कुछ रुपया भी नगरपालिका के भाजपा अधिकारियों द्वारा लाइब्रेरी की कुर्सियों के लिए आवंटित नहीं किया जा सकता है।

इससे यह पता चलता है कि सताधारी शिक्षा क्षेत्र के प्रति गंभीर रूप से उदासीन हैं।

इस लाइब्रेरी में बूढ़े लोग भी जमीन पर बैठकर पढ़ते हैं। इस संबंध में लाइब्रेरी प्रबंधन से बात करने पर पता चला कि कुर्सियों की मांग काफी पहले की जा चुकी है, लेकिन सताधारी इस मामले में उदासीन है ऐसा पता चला।

एक साल से कुर्सियां खरीदने के लिए सेंट्रल स्टोर को रिपोर्ट की है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

सूरत में ५ साल की बच्ची ने खेल खेल में चूने की थेली को दांतों से खोलते समय

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली इलाके में माता-पिता के लिए चौका देना वाला एक ऐसा ही मामला सामने आया है। डिंडोली इलाके में रहने वाली ५ साल की बच्ची खेलते-खेलते अपने दांतों से चूना खोल रही थी।

इसी बीच चूना उड़कर उसकी आंख में गिर गया और उसकी आंख का ऑपरेशन करने की बारी आई। इसके साथ ही डॉक्टर ने संभावना जताई कि संक्रमण पूरी तरह खत्म नहीं होगा और अगले दिन दोबारा ऑपरेशन करना पड़ेगा।

लावण्या परिवार की एक ही बेटी है जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र के मूल निवासी नीलेशभाई अशोकभाई पाटिल वर्तमान में अपने माता-पिता, पत्नी और दो बच्चों के साथ

चूना उड़कर उसकी आंख में चला गया जिसके बाद उसे ऑपरेशन कराना पड़ा।

नवागाम डिंडोली इलाके के उमिया नगर में रह रहे हैं। नीलेशभाई जौहरी का काम करते हैं। नीलेशभाई की पांच साल की बेटी लवानिया घर के पास एक आंगनवाड़ी में पढ़ती है।

नीलेशभाई ने बताया, १५ दिन पहले लवनिया के दादा अशोकभाई ने घर में फ्रिज के पास मावा में डालने के लिए चुने की थेली रखी थी। लावण्या घर में खेल रही थी।

इसी बीच खेल-खेल में वह अपने मुंह से थेली खोलने की कोशिश कर रही थी। अचानक चूना खुल गया और उसकी दाहिनी आंख में गिर गया। तो लावण्या जोर-जोर से रोने लगी थी।

लावण्या की चीख सुनकर परिजन दौड़े और उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गए। वे वहां से आई ड्रॉप सहित दवा लेकर आये।

तभी शनिवार सुबह लवानिया की आंख में अचानक दर्द हुआ तो परिजन उन्हें दूसरे निजी अस्पताल में ले गए. जहां उन्हें आंख का ऑपरेशन कराने के लिए कहा गया। निजी अस्पतालों में आंखों के ऑपरेशन की लागत भी अधिक थी। तो परिजन उसे न्यू सिविल अस्पताल लेकर आए। जहां शनिवार दोपहर उनकी आंख का ऑपरेशन किया गया।

डॉक्टर ने संभावना जताई कि अगले दिन एक बार फिर ऑपरेशन करना पड़ेगा। फिलहाल यह परिवार बच्चों को चूने से दूर रखने की अपील कर रहा है।

अग्निशमन के दौरान अपने प्राणों की आहूति देने वाले बहादूर अग्नि सेनानियों की याद में

गणमान्य व्यक्तिय्रों और दर्शकों द्वारा दो मिनट का मौन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

CISF के कवास युनिट (NTPC)में अग्निशमन सेवा सप्ताह- अग्नि से बचाव तथा सावधानी बरतने के लिय अग्निशमन विंग द्वारा जानकारी दी गई

सुरत, १४ अप्रैल १९४४ को एक धधकता शुकवार था जब विक्टोरिया डाक मुम्बई में सेना की विस्फोट सामग्री से भरा पानी का जहाज आग की लपेटों के आगोश में समा गया. आग पर काबू पाने के लिए मुम्बई फायर सर्विस के एक सैकडा अधिकारी एवं कर्मचारी घटनास्थल पर आग को काबू करने में तैनात किये गयें. उन्हाने अपने अटूट साहस और पराक्रम का प्रदर्शन करते हुए इन जांबाज अग्निशमन कर्मचारीयों ने धधकती ज्वाला पर काबू करने का भरसक प्रयास किया. आग पर काबू तो पा लिया गया, लेकिन इस कोशिश में अग्निशमन के ६६ फारमैन को अपनी जान की आहुति देनी पडी.

इस ६६ फारमैन की याद में पुरे भारतवर्ष में दिनांक १४ अप्रैल को अग्निशमन सेवा के रूप में मनाया जाता है. इस दिन को याद करने हेतु श्री एस के सोनकारिया उप कमाण्डेन्ट सीआईएसएफ इकाई एनटीपीसी/केजीपीपी कवास के निर्देशानुसार अग्निशमन सेवा सप्ताह का आयोजन किया गया. इस अवसपर पर मुख्य अतिथी श्री डी के दुबे कार्यकारी निदेशक एवं एनटीपीसी / केजीपीपी के अन्य गणमान्य व्यक्तिय्रों द्वारा शहिदों को पुष्पांजलि अर्पित किया गया. सीआईएसएफ से श्री एस के सोनकरिया उप कमाण्डेन्ट एवं अन्य बल कार्मिको द्वारा शहिदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई. अग्निशमन के दौरान अपने प्राणों की आहूति देने वाले बहादूर अग्नि सेनानियों की याद में गणमान्य व्यक्तिय्रों और दर्शकों द्वारा दो मिनट का मौन रखा गया. मुख्य अतिथि द्वारा आग से बचाव एवं आग से सुरक्षा के लिए अग्नि सुरक्षा पत्रिका भी जारी किया उन्होने सीआईएसएफ इकाई केजीपीपी कवास के फायर विंग के समर्पण और प्रतिबद्वता की सराहना की है.

अग्निशमन सप्ताह १४ अप्रैल २०२४ से २० अप्रैल २०२४ तक मनाया जायेगा जिसका अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करें, राष्ट्रीय निर्माण में योगदान दें. मूल विषय है. इस सप्ताह के दौरान नागरिकों को अग्नि से बचाव तथा सावधानी बरतने के संबध में अग्निशमन विंग द्वारा जागृत करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगें। इसका उददेश्य अग्निकांडों से होने वाली क्षति के प्रति नागरिकों को जागरूक करना होता है.

सूरत में स्वास्थ्य विभाग ने सभी जोन में एक साथ मसालों की सैंपलिंग की कार्रवाई शुरूकी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गर्मियों में गृहिणियां आमतौर पर साल भर चलने वाले मसाले खरीदती हैं. मार्च के आखिर और अप्रैल में मसालों की जमकर खरीदारी होती है. कई बार तो यह भी पाया जाता है कि व्यापारी मसालों में मिलावट करते हैं क्योंकि ग्राहकों की संख्या अधिक होने के कारण उन्हें ग्राहकों से रूपये ऐंठने का लालच होता है.

लाल मिर्च और हल्दी में रंग रसायन मिलाने का मामला पहले भी कई बार सामने आ चुका है. इसलिए सूरत नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने सभी जोन में एक साथ मसालों के सैंपल लेने का अभियान शुरूकिया है.

स्वास्थ्य अधिकारी एच.एस. पटेल ने बताया कि रांदेर इलाके में स्थित जलाराम मसाला हाउस के साथ ही शहर के अलग-अलग जोन में सैंपल लेने की प्रक्रिया शुरू हो गई है. नमूने को परीक्षण के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला में भेजा जाएगा. शहर भर के अलग-अलग जोन से लिए गए सैंपलों में से जो सैंपल फेल होंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

विजया मुहूर्त से चूक गए सी.आर. पाटिल, अब आज भरेंगे फॉर्म

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी सीआर पाटिल ने सीएम भूपेन्द्र पटेल, हर्ष सांघवी और बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ बाइक रैली निकाली. रैली नवसारी स्थित केंद्रीय कार्यालय से शुरू हुई. पाटिल और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने फूलों से सजी कार में रैली की.

रैली में हजारों की संख्या में लोग जुटे थे. रैली में महिलाएं गरबा खेलती नजर आईं. तो कीर्तिदान गढ़वी और गीता रबारी ने गाने गाए. रैली के दौरान पुलिस की भी कड़ी ठ्याठास्था की गई थी. इस बीच, सीआर पाटिल विजयमुहर्त से चूक गए. इसलिए अब वे कल फॉर्म भरेंगे. हजारों की भीड़ के साथ रोड शो कर सीआ पाटिल वापस लौटे.